RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 257 ता. 23 मार्च 2021, मंगलवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जब सब मिलकर बचाएंगे जल, तभी तो सुनहरा होगा कल

नई दिल्ली। दशकों से भारत का जल प्रबंधन गैर टिकाऊ रास्ते पर है। जिसके चलते पेयजल, कुकिंग और साफ-सफाई जैसी मूल इंसानी जरूरतों के लिए ही नहीं, औद्योगिक, व्यावसायिक, कृषि और पर्यावरणीय उद्देश्यों के लिए भी उपयुक्त गुणवत्ता वाला जल उपलब्ध नहीं हो रहा है। देश का कोई भी एक शहरी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां सीधे सार्वजनिक आपूर्ति वाले पानी का इस्तेमाल किया जा सके। आजादी के समय भारत की 36.1 करोड़ आबादी आज 138 करोड़ हो चुकी है। 2050 तक इसके 164 करोड़ हो जाने के अनुमान हैं। जिस गति से यहां आबादी में तेज वृद्धि हुई वैसे ही आर्थिक गतिविधियों और शहरीकरण में इजाफे का अनुपात बढ़ा। सभी इंसानी गतिविधियों के लिए पानी की दरकार है। जब आबादी, शहरीकरण और आर्थिक गतिविधियों बढ़ती हैं तो उसी अनुपात में जल की जरूरत भी बढ़ती है। विडंबना यह हुई कि जल प्रबंधन के अभाव में इसकी गुणवत्ता तेजी से गिरती गई। लगातार अपने खराब जल प्रबंधन के चलते देश की वर्तमान पीढ़ी जल संकट के सबसे खराब दौर से गुजर रही है। कम होते पानी और खराब होती इसकी गुणवत्ता के प्रति उदासीनता ने यह तस्वीर बना दी है कि देश के 10 फीसद से कम घरेलू और औद्योगिक पानी का ही शोधन संभव हो पा रहा है। अधिकांश जमीन पर मौजूद और भूजल स्नोत प्रदूषित हो चुके हैं। सिंगापुर जैसे देश लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए लगातार 352 जल गुणवत्ता वाले मानकों की निगरानी करते हैं। दुर्भाग्य से भारत में कुछ ही जगह ऐसी हैं जहां सिर्फ 25 मानकों पर गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। चीन जैसे अन्य विकासशील देश अपने पानी के 112 गुणवत्ता मानकों की निगरानी करते हैं। देश की नदियों को साफ करने के लिए करोड़ों रुपये बर्बाद हो चुके हैं लेकिन वे पहले से ज्यादा प्रदूषित हैं। भूजल की गुणवत्ता सतह पर मौजूद जल से अधिक खराब हो चुकी है।

फिर लॉकडाउन की जरूरत ?

तब 360 केसों पर लगा था जनता कर्फ्यू, अब एक दिन में मिल रहे 50,000 के करीब केस

नई दिल्ली। बीते दो सप्ताह से कोरोना के मामलों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। सोमवार को सामने आए आंकड़े में बीते एक दिन में 46,951 केस मिलने की बात सामने आई है। पिछले साल आज ही के दिन यानी 22 मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जनता कर्फ्यू लगा था और यही महीनों चले लॉकडाउन के ट्रेलर जैसा था। उस दौर की बात करें तो भारत में तब कोरोना ने दस्तक दी ही थी और 21 मार्च, 2020 तक 360 केस सामने आए थे। इनमें भी 41 मामले विदेशियों के थे। उसी दौर में पीएम नरेंद्र मोदी ने जनता कर्फ्यू की अपील की थी, जिसे जनता ने पूरा सहयोग दिया था। देश भर में सड़कें पूरी तरह सूनी पड़ी थीं और लोग अपने घरों में थे ताकि कोरोना बाहर ही रहे। लेकिन अब नई लहर पिछले साल से भी ज्यादा कहर बरपाती दिख रही है, जिसने एक बार फिर से 2020 में लगी पाबंदियों के दिनों की यादें ताजा कर दी हैं। जनता कर्फ्यू के एक साल पूरा होने के मौके पर यह जानना जरूरी है कि आखिर कोरोना से जंग में हम कहां तक पहुंचे हैं। पिछले साल जनता कर्फ्यू लगने से पहले तक देश में सिर्फ 360 केस थे, जो आंकड़ा अब बढ़कर 1,16,46,081 पहुंच गया है। इसके अलावा एक्टिव केसों की बात करें तो अकेले महाराष्ट्र में ही आंकड़ा 2 लाख के पार है और देश भर में फिलहाल 3,34,646 लाख लोग कोरोना संक्रमित हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक महाराष्ट्र समेत 6 राज्यों में स्थिति चिंताजनक है और एक बार फिर से कोरोना विस्फोटक होता दिख रहा है। मंत्रालय के मुताबिक महाराष्ट्र, पंजाब, केरल, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश में देश के कुल कोरोना केसों के 86 फीसदी मामले हैं। अब तक देश भर में 1 करोड़ 16 लाख से ज्यादा केस सामने आ चुके हैं, जबकि 3 लाख से ज्यादा एक्टिव केस अब भी हैं।

● महाराष्ट्र में ही देश भर के 60 फीसदी के करीब मामले हर दिन मिल रहे हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहर कोरोना के हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं। भले ही बीते साल की तरह फिलहाल किसी जनता कर्फ्यू या लॉकडाउन का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन पाबंदियों के दिन लौटते हुए जरूर दिख रहे हैं। एक तरफ पंजाब के 11 शहरों में नाइट कर्फ्यू समेत कई पाबंदियां हैं तो राजस्थान में किसी भी बाहरी शख्स को एंट्री तभी मिलेगी, जब उसके पास कोरोना निगेटिव रिपोर्ट हो। यही नहीं मध्य प्रदेश ने भी राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर में नाइट कर्फ्यू लगाया है। कई राज्यों में प्राइमरी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

खासतौर पर महाराष्ट्र में ही देश भर के 60 फीसदी के करीब मामले हर दिन मिल रहे हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहर कोरोना के हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं। भले ही बीते साल की तरह फिलहाल किसी जनता कर्फ्यू या लॉकडाउन का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन पाबंदियों के दिन लौटते हुए जरूर दिख रहे हैं। एक तरफ पंजाब के 11 शहरों में नाइट कर्फ्यू समेत कई पाबंदियां हैं तो राजस्थान में किसी भी बाहरी शख्स को एंट्री तभी मिलेगी, जब उसके पास कोरोना निगेटिव रिपोर्ट हो। यही नहीं मध्य प्रदेश ने भी राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर में नाइट कर्फ्यू लगाया है। कई राज्यों में प्राइमरी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

महाराष्ट्र से पंजाब तक कहीं नाइट कर्फ्यू, कहीं धारा 144- महाराष्ट्र के नागपुर में 21 मार्च तक के लिए लॉकडाउन लगाया गया था और अब पाबंदियों को 31 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया गया है। यही नहीं महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे कई बार यह दोहरा चुके हैं कि यदि हालात न सुधरे तो लॉकडाउन ही विकल्प हो सकता है। गुजरात के भी अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सूरत जैसे शहरों में नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया गया है और सरकारी बसों के संचालन पर रोक लगा दी गई है।

कहीं नाइट कर्फ्यू तो कहीं धारा 144 लगी- पंजाब में तो दिन में 11 बजे से 12 बजे तक के बीच सड़कों पर सभी वाहनों पर रोक का फैसला लिया गया है। भले ही अभी देश भर में किसी पाबंदी का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन हालात बिगड़ते रहे तो राज्यों की ओर से सख्ती के दिन फिर सै लौट सकते हैं। वहीं यूपी सरकार ने दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद जैसे महानगरों में धारा 144 लागू कर दी है ताकि भीड़ जुटने से रोका जा सके।

रमजान में कोरोना वैक्सीन लेने से टूट जाएगा रोजा?

नई दिल्ली। अगले महीने मुस्लिमों का पाक पर्व रमजान शुरू हो रहा है। 12-13 अप्रैल से शुरू होने वाले रमजान से पहले इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि क्या कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवाने से रोजा टूट जाएगा? यह संशय बना हुआ है कि क्या रमजान में यानी रोजा के दौरान वैक्सीन से उनका रोजा तो बाधित नहीं होगा? मुस्लिम देशों में उठ रहे इन सवालों के बीच सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ्ती ने संशय को खत्म किया है। सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ्ती ने कहा कि रोजे के दौरान वैक्सीन लगवाने से उनका रोजा नहीं टूटेगा। अरब न्यूज के मुताबिक, रमजान के पाक महीने से ठीक पहले सऊदी के शेख अब्दुल अजीज अल-अशेख ने कहा कि रोजा करते समय कोरोना वायरस वैक्सीन प्राप्त करना रोजा को अमान्य नहीं करता है। उन्होंने कहा, 'कोरोना वायरस वैक्सीन से रोजा रखने वाले व्यक्ति का रोजा नहीं टूटेगा क्योंकि यह खाना या ड्रिंक नहीं माना जाता है। वैक्सीन को शरीर के अंदर लगाया जाता है, इसलिए इससे रोजा नहीं टूटेगा।' गौरतलब है कि मुफ्ती की इस सफाई से करोड़ों मुस्लिमों के मन की उस शंका का जवाब मिल गया है जो अब तक रोजा में वैक्सीन लेने को लेकर संशय में थे। बता दें कि इस साल रमजान का पाक महीना 12 या 13 अप्रैल से शुरू हो सकता है। इन दोनों दिनों में से किसी एक का निर्धारन चांद देखने के आधार पर ही होगा। इधर, मुस्लिमों के बीच इस बात को लेकर भी संशय है कि क्या कोरोना की वैक्सीन में पोर्क का इस्तेमाल किया गया है? हालांकि एस्ट्राजेनेका ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके कोविड-19 के टीके में पोर्क के किसी अंश का इस्तेमाल नहीं किया गया है। एस्ट्राजेनेका ने कहा कि मुसलमानों को इस संबंध में तनिक भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। दुनिया में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश इंडोनेशिया ने वैक्सीन में पोर्क होने का दावा किया था। इंडोनेशिया के उलेमा काउंसिल ने टीके में पोर्क के इस्तेमाल होने का दावा किया।

जनता कर्फ्यू का एक साल-दवा के बाद भी क्यों लगातार बढ़ रहा कोरोना का मर्ज

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग की आधिकारिक शुरुआत आज ही के दिन जनता कर्फ्यू से हुई थी। कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच 22 मार्च 2020 को पीएम मोदी ने जनता कर्फ्यू का ऐलान किया था और लोगों को अपने घरों में 'कैद' हो जाने को कहा था। लॉकडाउन का ट्रायल कहे जाने वाले इसी जनता कर्फ्यू ने देश को एक झलक दे दी थी कि भारतवासियों को कोरोना से बचाने के लिए कुछ दिन तक घरों में सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके बाद पूरा देश महीनों तक लॉकडाउन में रहा और वैक्सीन का इंतजार करता रहा। आज भारत के पास दो-दो वैक्सीन हैं और टीकाकरण की रफ्तार भी काफी तेज है, मगर चिंता की बात है कि फिर भी कोरोना का मर्ज बढ़ता ही जा रहा है। ऐसी उम्मीद थी कि वैक्सीन आने के बाद भारत से कोरोना छूमंतर हो जाएगा, मगर ऐसा होता दिख नहीं रहा है। दरअसल, कोरोना के मामले साल 2021 भी 2020 की तरह ही आगे बढ़ता दिख रहा है। महाराष्ट्र से लेकर पंजाब और कर्नाटक में कोरोना वायरस की दूसरी लहर देखने को मिल रही है। सभी परेशान हैं कि आखिर कोरोना

वायरस की वैक्सीन आने के बाद भी इसके मामलों में लगातार वृद्धि क्यों हो रही है? क्यों फिर से कोरोना पुराने रंग में दिख रहा है और दिन-प्रतिदिन ताकतवर हो रहा है? लेकिन यहां इस सवाल का जवाब भी हर किसी को मालूम है। कोरोना वायरस के मामलों में अचानक वृद्धि का प्रमुख कारण है लोगों की लापरवाही। वैक्सीन आने के बाद लोग कोरोना के खिलाफ जंग में ढीले पड़ गए हैं, लोगों को यह गलतफहमी हो गई कि वैक्सीन आ गई है तो अब कोरोना उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। सरकार ने भी माना है कि लोगों की लापरवाही ने कोरोना को ताकतवर होने का मौका दिया है। इसके अलावा, कोरोना वायरस के दोबारा सिर उठाने के पीछे कई कारण हैं। एक तो लोग अब कोरोना गाइडलाइन्स को फॉलो नहीं कर पा रहे हैं। वैक्सीन आने से पहले जिस तरह से लोग मास्क का इस्तेमाल किया करते थे, हैंड सैनिटाइज किया करते और सोशल डिस्टेंसिंग को मेंटेन रखा करते थे, अब वैसी गंभीरता नहीं दिख रही है। वैक्सीन आने के बाद लोगों ने कोरोना को फॉर ग्रांटेड ले लिया है। जिसकी वजह से लोग फिर से पहले की तरह संक्रमित होने लगे हैं। इसके अलावा, लंबे समय तक जारी कोरोना पाबंदियों के बाद जब देश अनलॉक हुआ तो शादी-समारोह और अन्य फंक्शनों की बाढ़ आ गई। शादी-समारोहों में लोग महामारी के पहले की तरह आने-जाने लगे।

मणिपाल इंस्टीट्यूट के कैंपस में 146 छात्र कोरोना वायरस संक्रमित, 5800 स्टूडेंट्स क्वारंटाइन में

नई दिल्ली। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैंपस में कोरोना वायरस के नए मामले नहीं थम रहे हैं। पहले से कंटेनमेंट जोन घोषित यहां के कैंपस में अब कोरोना संक्रमित छात्रों की संख्या 146 पहुंच गई है। इससे पहले इस कैंपस में कोरोना वायरस के 59 मामले सामने आए थे जिसके बाद इसे कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया था। बता दें कि यह कैंपस कर्नाटक के उडुपी जिले में स्थित है और बेंगलुरु से 400 किलोमीटर की दूरी पर है। जिले के नोडल अधिकारी डॉ प्रशांत भट ने शनिवार को कहा कि एमआईटी में 146 छात्र कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे कैंपस के लगभग 5,800 छात्रों को क्वारंटाइन में रखा गया है और उनकी निगरानी की जा रही है। बता दें कि उडुपी जिले में पिछले साल भी कोरोना मामलों में वृद्धि देखने को मिली थी। भट ने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक छात्र मार्च के दूसरे सप्ताह में कैपंस पहुंचे थे। हालांकि, कक्षाएं ऑनलाइन चल रही थीं लेकिन

एक परीक्षा थी जिसके लिए पूरे भारत से छात्र कैंपस पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि शायद कुछ महाराष्ट्र और केरल से भी आए थे। इसलिए, हमें संदेह है कि संक्रमण का स्रोत महाराष्ट्र या केरल हो सकता है।

वैक्सीन के लिए सरकारी अस्पताल हैं दिल्लीवालों की पहली पसंद, आंकड़ों में जानें प्राइवेट सेंटर्स का हाल

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में वापस आई तेजी हर दिन डरा रही है। इस बीच टीकाकरण अभियान भी तेज है। दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के कोविड - 19 टीकाकरण केंद्रों में निजी अस्पतालों की तुलना में अधिक लोग टीका लगवा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने अस्पतालों और क्लीनिकों में उनके द्वारा संचालित केंद्रों पर टीकाकरण की संख्या बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि यह अंतर और अधिक होगा क्योंकि सोमवार से चार घंटे तक ऑन-स्पॉट पंजीकरण के लिए खिड़की खुली रहेगी।

देखे गए आंकड़ों से पता चला है कि 15 मार्च को सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण केंद्रो टीका लेने वाले लोगों की दर 64 प्रतिशत थी।जबकि निजी में यह 72 प्रतिशत थी। हालांकि, अगले दिन से आंकड़े बदल गए। 16 मार्च को, सरकारी अस्पतालों में 65 प्रतिशत लोगों के मुकाबले निजी में 61 प्रतिशत ने टीका लगवाया। 17 मार्च को, सरकारी साइटों पर 69 प्रतिशत लोग टीका लेने पहुंचे जबकि निजी अस्पतालों में 54 प्रतिशत। अगले दिन सरकारी अस्पताल में ये 72 प्रतिशत और निजी में 49 प्रतिशत हो गया। इधर, भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए, केंद्र सरकार ने कोरोना वैक्सीन के 12 करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया है। सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को खुराक का आदेश दिया है। बता दें कि सरकार का ये फैसला ऐसे समय में आया है जब देश में कोरोना वायरस एक बार फिर पैर पसार रहा है। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह वायरस की एक नई लहर हो सकती है जिसे देश के कई हिस्सों में देखा जा रहा है।

परमबीर आपके 'डार्लिंग' बन गए हैं...शिवसेना ने भाजपा को चेताया- सरकार गिराने की कोशिश करोगे तो आग लगेगी

मुंबई। एंटीलिया-सचिन वाझे केस में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लेटर बम से महाराष्ट्र की सियासत में घमासान जारी है। अनिल देशमुख विपक्ष की रडार पर हैं और भाजपा के आरोपों का काउंटर कैसे किया जाएगा, इस पर आज शिवसेना और एनसीपी बैठक में मंथन करने वाले हैं। इस बीच शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए पलटवार किया है और सवाल किया है कि परमबीर सिंह की चिट्ठी कहीं किसी की साजिश तो नहीं। शिवसेना ने कहा है कि जिस परमबीर सिंह पर कल तक भाजपा भरोसा नहीं रख रही थी, उसी परमबीर सिंह को बीजेपी सिर पर बैठाकर क्यों नाच रही है। साथ ही भाजपा को चेताया है कि सरकार गिराने की कोशिश करोगे तो आग लगेगी। मुखपत्र 'सामना' में शिवसेना ने परमबीर सिंह के पत्र पर सवाल खड़े किए हैं और पूछा है कि परमबीर सिंह के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई की है इसलिए उनकी भावनाओं का विस्फोट समझ सकते हैं। मगर सरकारी सेवा में अत्यंत वरिष्ठ पद पर विराजमान व्यक्ति द्वारा ऐसा पत्राचार करना नियमोचित है क्या? गृहमंत्री पर आरोप लगाने वाला पत्र मुख्यमंत्री को लिखा जाए और उसे प्रसार माध्यमों तक पहुंचा दिया जाए, यह अनुशासन के तहत उचित नहीं है। परमबीर सिंह का दावा है कि अनिल देशमुख ने उन्हें 100 करोड़ की वसूली का टारगेट दिया था,

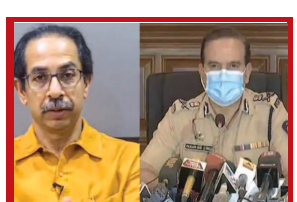

परमबीर सिंह का इस्तेमाल इसी तरह से किया जा रहा है, यह अब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। अर्थात पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने जो आरोपों की धूल उड़ाई है, उसके कारण गृह विभाग की छवि निश्चित ही मलीन हुई है।

मगर सवाल ये है कि बीते डेढ़ साल से जब रेस्टोरेंट-पब बंद हैं तो ये पैसे कहां से आते?

शिवसेना ने संपादकीय में लिखा- 'परमबीर सिंह को थोड़ा संयम रखना चाहिए था। उस पर सरकार को परेशानी में डालने के लिए परमबीर सिंह का कोई इस्तेमाल कर रहा है क्या? ऐसी शंका भी है। असल में जिस सचिन वाझे के कारण ये पूरा तूफान खड़ा हुआ है, उन्हें इतने असीमित अधिकार दिए किसने? सचिन वाझे ने बहुत ज्यादा उधम मचाया। उसे समय पर रोका गया होता तो मुंबई पुलिस आयुक्त पद की प्रतिष्ठा बच गई होती। परंतु इस पूर्व आयुक्त द्वारा कुछ मामलों में अच्छा काम करने के बावजूद वाझे प्रकरण में उनकी बदनामी हुई। इस प्रकरण के तार परमबीर सिंह तक पहुंचेंगे ऐसी आशंका जांच में सामने आने से परमबीर सिंह ने खुद को बचाने के लिए इस तरह के आरोप लगाए हैं, यह सत्य होगा तो इस पूरे प्रकरण में भाजपा, सरकार को बदनाम करने के लिए परमबीर सिंह का इस्तेमाल कर रही है।' शिवसेना ने कहा कि इस साजिश के पीछे सिर्फ सरकार को सिर्फ बदनाम ही करना है, ऐसा नहीं है बल्कि सरकार को मुश्किल में डालना है, ऐसी उनकी नीति है। देवेंद्र फडणवीस दिल्ली जाकर मोदी-शाह को मिलते हैं और दो दिन में परमबीर सिंह ऐसा पत्र लिखकर खलबली मचाते हैं। उस पत्र का आधार लेकर विपक्ष जो हंगामा करता है, यह एक साजिश का ही हिस्सा नजर आता है। महाराष्ट्र में विपक्ष ने केंद्रीय जांच एजेंसियों का निरंकुश इस्तेमाल शुरू किया है, महाराष्ट्र जैसे राज्य के लिए ये उचित नहीं है। एक तरफ राज्यपाल राजभवन में बैठकर अलग ही शरारत कर रहे हैं तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों के माध्यम से दबाव का खेल खेल रही है।

सामना में लिखा गया है कि महाराष्ट्र के संदर्भ में कानून व व्यवस्था आदि ठीक न होने का ठीकरा फोड़ा जाए और राष्ट्रपति शासन का हथौड़ा चलाया जाए, यही महाराष्ट्र के विपक्ष का अंतिम ध्येय नजर आता है और इसके लिए नए प्यादे तैयार किए जा रहे हैं।

मोदी सरकार का फैसला,

कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज में कम से कम 6-8 सप्ताह अंतराल जरुरी

नई दिल्ली।

देश में चल रहे कोरोना टीकाकरण अभियान के बीच केंद्र ने कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज को लेकर अहम फैसला लिया है। मोदी सरकार ने कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज पहली डोज से कम से कम 6-8 सप्ताह के बाद लगाने के लिए कहा है। यह फैसला सिर्फ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाई जा रही कोविशील्ड वैक्सीन पर ही लागू होगा, जबकि को-वैक्सीन की दूसरी डोज पहले जैसे ही तय समय-सीमा के अंतराल पर ही लगेगी। केंद्र सरकार ने कहा है कि नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेश और एक्सपर्ट ग्रुप के फैसले के आधार पर यह कदम उठाया गया है। टीकाकरण अभियान के लिए देश में दो वैक्सीन को मंजूरी मिली है। एक एसआईआई द्वारा बनी कोविशील्ड है, जबकि दूसरी वैक्सीन भारत बायोटेक की कोवैक्सीन है। अभी कोविशील्ड वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज के बीच 28 दिनों का अंतराल है, या फिर 4-6 सप्ताह का अंतराल होता है। हाल ही में केंद्र सरकार ने एसआईआई को कोविशील्ड वैक्सीन की 10 करोड़ डोज और तैयार करने को कहा है।इसकी मुख्य वजह देश में कोरोना टीकाकरण अभियान में तेजी लाना है। अभी तक एसआईआई साढ़े छह करोड़ से ज्यादा डोज सरकार को दे चुकी है। इसके अलावा, छह करोड़ से अधिक टीके की खुराक 76 देशों को भेजी जा चुकी हैं, जबकि देश में लोगों को अब तक साढ़े चार करोड़ खुराक लगी हैं। मालूम हो कि देश में मध्य जनवरी से कोरोना टीकाकरण अभियान चल रहा है। सबसे पहले हेल्थ वर्कर्स को कोविड वैक्सीन लगवाई गई, जिसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स को लगी। दूसरे फेज की शुरुआत एक मार्च से हुई है। इसके तहत अभी 60 साल से अधिक उम्र वालों को कोरोना वैक्सीन लग रही है। वहीं, जिन लोगों की उम्र 45 साल से अधिक है और वे को-मॉर्बिडिटीज से पीड़ित हैं, वे भी कोरोना की वैक्सीन लगवा सकते हैं।

100 करोड़ की घूस का आरोप, पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट,परमबीर ने की सीबीआई जांच की मांग

मुंबई।

मुंबई पुलिस कमिश्नर पद से हटाए गए परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए रिश्वत के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। परमबीर सिंह ने सीएम उद्धव ठाकरे को हाल ही में एक पत्र लिखा था। इसमें कहा गया था कि असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सचिन वझे को गृह मंत्री अनिल देशमुख का संरक्षण था और उन्होंने वझे से हर महीने 100 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था।परबीर सिंह ने याचिका में कहा है कि 100 करोड़ रुपए कलेक्ट करने के टारगेट वाली बात उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भी बताई थी। लेकिन कुछ दिन बाद ही उनका ट्रांसफर कर दिया गया। उन्होंने अपने ट्रांसफर के आदेश को भी चुनौती दी है। उनका कहना है कि ट्रांसफर-पोस्टिंग पर अफसर रश्मि शुक्ला की रिपोर्ट की जांच की जानी चाहिए। परमबीर का दावा है कि गृह मंत्री देशमुख सचिन वझे के साथ अपने बंगले पर लगातार बैठक कर रहे थे। इसी बैठक के दौरान 100 करोड़ कलेक्शन का टारगेट दिया गया था। उन्होंने देशमुख के बंगले के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की मांग भी की है, ताकि सच सबके सामने आ सके। चिट्ठी में यह भी कहा गया कि अपने गलत कामों को छुपाने के लिए मुझे बलि का बकरा बनाया गया है। परमबीर सिंह ने याचिका में अपने आरोपों से जुड़े कई सबूत भी सुप्रीम कोर्ट को सौंपे हैं। बताया जा रहा है कि शीर्ष अदालत ने याचिका मंजूर कर ली है। सुप्रीम कोर्ट में उनका पक्ष सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी रखेंगे।

परमबीर ने चिट्ठी में लिखा- गृह मंत्री ने टारगेट दिया

चिट्ठी में परमबीर ने लिखा, आपको बताना चाहता हूं कि महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सचिन वझे को कई बार अपने आधिकारिक बंगले ज्ञानेश्वर में बुलाया और फंड कलेक्ट करने के आदेश दिए। उन्होंने यह पैसे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नाम पर जमा करने के लिए कहा। इस दौरान उनके पर्सनल सेक्रेटरी मिस्टर पलांडे भी वहां पर मौजूद रहते थे। गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सचिन वझे को हर महीने 100 करोड़ रुपए जमा करने का टारगेट दिया था।

शरद पवार को भी इस मामले की जानकारी दी

परमबीर सिंह ने आगे लिखा, मैंने इस मामले को लेकर डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार और एनसीपीचीफ शरद पवार को भी ब्रीफ किया है। मेरे साथ जो भी घटित हुआ या गलत हुआ इसकी जानकारी मैंने शरद पवार को भी दी है।

राष्ट्रपति कोविंद ने पत्नी संग भगवान जगन्नाथ का दर्शन कर लिया आशीर्वाद, की पूजा-अर्चना

भुवनेश्वर। देश के शीर्ष पद पर विराजमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को पत्नी संग यहां भगवान जगन्नाथ मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति तीन दिवसीय ओडिशा दौरे के अंतिम दिन यहां राज्य के राज्यपाल गणेशी लाल और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ यहां सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर पहुंचे। वह भगवान विष्णु के12वीं शताब्दी में बने इस मंदिर में करीब 40 मिनट तक रहे। राष्ट्रपति मंदिर के गर्भ गृह में गये और उन्होंने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन किए। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव और मंदिर के मुख्य प्रशासक कृष्णकुमार ने राष्ट्रपति का मंदिर के सिंह द्वार पर स्वागत किया। उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित मां विमला और महालक्ष्मी की भी पूजा की। राष्ट्रपति के स्वागत में मंदिर को फूलों से विशेष तौर पर सजाया गया था और यहां की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि कोविंद ने मंदिर के विकास के लिए एक लाख रुपये का दान दिया। इससे पहले वह 2018 में इस मंदिर में आए थे। राष्ट्रपति के आने से आधे घंटे पहले से आम लोगों के मंदिर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई थी तथा ग्रैंड रोड के दोनों तरफ सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और दुकानें सुरक्षा कारणों से बंद कर दी गई थीं।

भाजपा का मुफ्त राशन का वादा झूठा, वह इसे कभी नहीं करेगी पूरा : ममता

कोतुलपुर, पश्चिम बंगाल । पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार की सरगर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मुफ्त राशन की आपूर्ति का झूठा वादा कर रही है जिसे वह 'कभी पूरा नहीं करेगी'। बांकुड़ा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा को 'बाहरी लोगों की पार्टी' बताया और आरोप लगाया कि वह 'आतंक पैदा करने के लिए राज्य में गुंडों को ला रही है।' बनर्जी ने कहा, 'भाजपा ने मुफ्त राशन देने का झूठा वादा किया है जो वह कभी पूरा नहीं करने वाली। भाजपा के गुंडे आपके घर आकर अपनी पार्टी के लिए वोट मांगेंगे। ये लोग यदि आपको धमकाते हैं तो उन्हें खदेड़ने के लिए अपने घरों के बरतन हाथों में लेकर तैयार रहें।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के लिए आदेश जारी कर रही है कि उन्हें क्या पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए। बनर्जी ने कहा, 'वे आपको यह सोचने पर मजबूर करेंगे कि नरेंद्र मोदी बीआर आंबेडकर से बड़े हैं।' बनर्जी ने कहा, 'आपने देखा, कैसे गुजरात में एक क्रिकेट स्टेडियम का नाम मोदी के नाम पर रख दिया गया? एक दिन वे देश का भी नाम बदलकर रख देंगे, वे सार्वजनिक उपक्रमों को निजी हाथों में दे रहे हैं।'

अयोध्या में राम मंदिर के लिए इन्दौर के समाजसेवी टीकमचंद गर्ग ने दिया एक करोड़ रू. का चेक -

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय को समर्पित की श्रद्धानिधि

इन्दौर । अयोध्या में बन रहे भव्य राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए अग्रवाल समाज के प्रमुख समाजसेवी टीकमचंद गर्ग एवं कल्याण ग्रुप से जुड़े उनके चारों भाईयों ने विहिप के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय को एक करोड़ रू. की श्रद्धानिधि समर्पित की। इस मौके पर विहिप के प्रमुख स्व. अशोक सिंघल का पुण्य स्मरण करते हुए गर्ग परिवार के सदस्यों ने अपनी पुरानी स्मृतियां ताजा की। जिस दिन राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था, उस दिन कल्याण समूह परिवार ने अपने द्वारा संचालित सभी टोल नाको एवं दफ्तरों में दिनभर लड्डू बांटे थे। स्व. सिंघल जब भी इन्दौर आते थे, गर्ग परिवार की मेहमाननवाजी अवश्य स्वीकार करते थे। आज गर्ग परिवार ने चंपत राय को एक करोड़ रू. की श्रद्धानिधि मंदिर निर्माण के लिए समर्पित की। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजसेवी विष्णु बिंदल, विहिप के मालवा प्रांत के संगठन मंत्री नंददास, प्रांतीय मंत्री सोहनजी, प्रांत सेवा प्रमुख मुकेश जैन, इन्दौर विभाग के कार्यवाह रूपेश पाल एवं अनिलजी, गर्ग परिवार के विष्णु गर्ग, श्याम गर्ग, शिव गर्ग एवं राजेश गर्ग के साथ दिल्ली से आए कविश जैन, डॉ. योगेंद्र उपाध्याय भी उपस्थित थे। चंपत राय ने गर्ग परिवार के इस योगदान के लिए उन्हें साधुवाद दिया और परिवार के सभी सदस्यों के साथ भोजन के बाद तस्वीरें भी खिंचवाई।

यूपी में एक दिन में 500 से अधिक कोरोना संक्रमित मिले

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घटे में राज्य के अलग अलग जिलों में कोविड-19 के 542 नये मरीज मिले हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को यहां बताया कि कल एक दिन में कुल एक लाख 35 हजार 257 सैम्पल की जांच की गयी। जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक जांचे आरटीपीसीआर के माध्यम से की गयी हैं। प्रदेश में अब तक कुल तीन करोड़ 37 लाख 15 हजार 631 सैम्पल की जांच की गयी है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 542 नये मामले आये हैं। उन्होने बताया कि प्रदेश में 3,396 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। प्रदेश में कोविड-19 से ठीक होने का प्रतिशत 98 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 5,95,920 लोग कोविड-19 से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सप्ताह के छह दिन सोमवार से शनिवार एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सोमवार,

गुरूवार और शुक्रवार तक कोविड वैक्सीनेशन का टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज भी कोविड वैक्सीनेशन बड़े स्तर पर किया जा रहा है। अभी तक जानकारी के अनुसार एक लाख से अधिक कोविड वैक्सीनेशन का टीकाकरण किया गया है। अब तक कुल 40 लाख से अधिक कोविड वैक्सीनेशन की डोज लगायी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जो लोग अन्य प्रांतों से आ रहे वे अपनी कोविड-19 की जांच अवश्य करायें। जैसे देखने को मिला है कि कई लोगों की जांच की गई जिसमें से पॉजिटिव पाये जा रहे हैं।

रेलवे के यूज एंड थ्रो बेडरोल किट की नहीं मुसाफिरों में मांग, दिनभर में 50 खरीदार भी नहीं मिलते

नई दिल्ली।

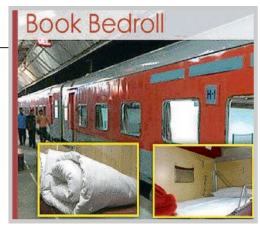

कोरोना के खतरे को देखकर रेलवे ने ट्रेनों में मिलने वाले लिनेन और ब्लैंकेट (चादर-कंबल) की सेवा बंद कर रखी है। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इस तरह के एहतियाती कदम उठाए हैं। इसकी जगह पर रेलवे स्टेशनों पर यूज एंड थ्रो लिनेन और ब्लैंकेट की ब्रिकी कर रहे है। इसकी कीमत 300 से 325 रुपए तक रखी गई है। लेकिन हालत यह है कि दिल्ली स्टेशन पर भी बेडरोल किट के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। नई दिल्ली स्टेशन से रोजाना 50 से ज्यादा ट्रेनें रवाना होती हैं, जिनमें लगभग 50000 मुसाफिर सफर करते हैं, लेकिन बेडरोल किट के 50 खरीदार भी नहीं मिलते है। रेलवे के द्वारा यूज एंड थ्रो बेडरोल किट में मुसाफिरों को ट्रेन में इस्तेमाल के लिए ब्लैंकेट, बेडशीट, एयर पिलो, टूथ पेस्ट, टूथ ब्रश, पेपर शोप, सैनेटाइजर पाउच, टिशू पेपर वगैरह दिए जा रहे हैं। हालांकि इनमें से कुछ चीजें मुसाफिर अपने साथ लेकर चलते हैं और साबुन या सैनेटाइजर जैसी चीजें ट्रेन में रहती हैं। यानी केवल यूज एंड थ्रो बेड शीट, टिशू पेपर और ब्लैंकेट के लिए 300 रुपए चुकाना मुसाफिरों को काफी महंगा सौदा है। इसकारण नई दिल्ली जैसे बड़े स्टेशनों पर भी इसकी मांग नहीं के बराबर है। नई दिल्ली से रवाना होने वाली 50 से ज्यादा ट्रेनों के यात्री स्टेशन पर मौजूद स्टॉल से ये किट नहीं खरीदते। दुकानदारों का कहना है कि बेडरोल किट की सेल नहीं है, कोई मुसाफिर मांग नहीं करता है।बता दें कि ज़्यादातर रेलवे स्टेशनों पर मल्टी पर्पस स्टॉल पर लिनेन पैकेट की बिक्री होती है।हालांकि कई बड़े रेलवे स्टेशनों पर इसके लिए खास स्टॉल भी हैं। रेलवे बेडरोल किट की बिक्री खुद नहीं कर रहा है, बल्कि इसके लिए उसने कॉन्ट्रैक्ट दे रखा है। लेकिन इतनी ऊंची कीमत की वजह से इसतरह काउंटर आमतौर पर खाली ही नजर आते हैं।यहां ट्रेन में इस्तेमाल करने के लिए ब्लैंकेट की कीमत 150 रुपए है, जबकि यूज एंड थ्रो बेडशीट, एयर पिलो, सैनेटाइजर पाउच वगैरह के पैकेट के लिए अलग से 150 रुपए देना पड़ता है। साथ में एक सर्जिकल मास्क फ्री मिल रहा है। दुकानदारों का कहना है कि दिनभर में 6-7 ब्लैंकेट की सेल ही मुश्किल से हो पाती है। वहीं 30 आसपास लिनेन पैक की ही बिक्री होती है।

बीमा संशोधन विधेयक लोकसभा से भी पारित, विदेशी कंपनियों के पास मालिकाना हक

इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआई पर संसद की मुहर

-एआरडीएआई की सिफारिश पर बढ़ाई एफडीआई सीमा

नई दिल्ली ।

देश में इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआई पर अब संसद की मुहर लग गई है। राज्यसभा इससे जुड़े बीमा संशोधन विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है जबकि सोमवार को लोकसभा ने भी इसको पास कर दिया। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद ये जल्द ही कानून बन जाएगा।

इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआईकी अनुमति के बाद बीमा कंपनियों का मालिकाना हक विदेशी कंपनियों के पास होगा। लेकिन सरकार ने इस पर कुछ सुरक्षा उपाय भी अपनाए हैं।

देश का पैसा देश में रहेगा

इंश्योरेंस सेक्टर में 74 प्रतिशत एफडीआई के बावजूद विदेशी कंपनियां प्रीमियम से जुटाए जाने वाले पैसे को देश से बाहर नहीं ले जा सकेंगीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दोनों सदनों में बिल पर चर्चा के बाद जवाब दिया और इस बात को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रीमियम से जमा होने वाले पैसे का निवेश बीमा कंपनियों को देश में ही करना होगा।

अहम पद भारतीयों के पास

विधेयक के बारे में सरकार ने स्पष्ट किया है कि भले बीमा क्षेत्र में 74 प्रतिशत एफडीआई होगी, लेकिन कंपनियों में अहम पदों पर भारतीय ही नियुक्त किए जा सकेंगे। इतना ही नहीं 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशक भी भारतीय होंगे। राज्यसभा में बिल पर चर्चा के बाद निर्मला सीतारमण ने कहा था कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सिर्फ ऊपरी सीमा 74 प्रतिशत तय की जा रही है। इसका मतलब ये नहीं कि ये अनिवार्य शर्त है या सभी कंपनियों में 74 प्रतिशत हिस्सेदारी विदेशी कंपनियों की हो जाएगी। बल्कि बीमा कंपनियां अपनी पूंजी जरूरत के हिसाब से निर्णय करके अधिकतम 74 प्रतिशत विदेशी निवेश हासिल कर सकेंगी।

सरकारी कंपनियों को देंगे पूंजी

लोकसभा में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को पूंजी जरूरतों के लिए सरकार पैसा देगी, लेकिन निजी क्षेत्र की कंपनियों को खुद से पूंजी जुटानी होगी।

बीमा की पहुंच, प्रीमियम सस्ता

बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने को लेकर सरकार की ओर से संसद में कहा गया कि इससे बीमा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बीमा प्रीमियम की दरें भी प्रतिस्पर्धी बनेंगी। इससे देश के लोगों के बीच बीमा की पहुंच बढ़ेगी।

बीमा क्षेत्र पूर्णतया विनियमित क्षेत्र

राज्यसभा में बिल पर चर्चा के जवाब में निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश में बीमा क्षेत्र सबसे अधिक विनियमित क्षेत्र है। इस क्षेत्र में नियामक हर बीमा उत्पाद से लेकर, बीमा क्षेत्र में निवेश, उसकी मार्केटिंग सब तय करता है। सरकार ने भी प्रावधान किया है कि बीमा क्षेत्र में आने वाला पैसा देश के भीतर ही निवेश किया जाएगा। उन्होंने सोमवार को लोकसभा में कहा कि इस क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने का निर्णय भी बीमा क्षेत्र नियामक एआरडीएआई की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस का आरोप, पूंजीपतियों के पक्ष में काम कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली । राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पूंजीपतियों के पक्ष में काम कर रही है। नए खान विधेयक के जरिए वह राज्यों के अधिकार अपने हाथों में लेने के प्रयास में लगी है। उच्च सदन में खनन और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2021 पर हुई चर्चा में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि खनिज संसाधन व्यापक विषय है और करीब एक करोड़ लोग इस क्षेत्र से जुड़े हैं। लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रीय नीति बनाते समय इस पर पर्याप्त चर्चा नहीं की। उन्होंने कहा कि संसद में भी उस नीति पर चर्चा नहीं हुई। सिंह ने कहा कि यह विडंबना है कि जहां सबसे ज्यादा खनिज संसाधन हैं, वहीं सबसे ज्यादा गरीब हैं और उनमें भी अधिकतर आदिवासी हैं। उन्होंने विभिन्न रिपोर्टों का जिक्र करते हुए कहा कि ओड़िशा झारखंड आदि राज्यों के कई जिलों में आबादी के बड़े हिस्से की आय पांच हजार रूप से भी कम है, जबकि वे इलाके खनिज संसाधनों से संपन्न हैं। सिंह ने कहा कि यह एक मुद्दा है और नए कानून बनाते समय गरीबों, मजदूरों और आदिवासी लोगों के हितों पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार पूंजीपतियों के पक्ष में काम कर रही है और राज्यों का अधिकार छीनने में लगी है। दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि 'एक राष्ट्र, एक पार्टी, एक नेता ' ध्येय वाली यह सरकार सदन ही नहीं देश को भी गुमराह कर रही है। उन्होंने इस विधेयक को सदन की प्रवर समिति में भेजने की मांग करते हुए एक संशोधन भी पेश किया। उन्होंने कहा कि कृषि से संबंधित विधेयकों को विस्तृत चर्चा के लिए अगर प्रवर समिति में भेजा जाता। तब आज किसानों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं आती। सिंह ने कहा कि यह सरकार खानों के आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का दावा करती रही है लेकिन प्रतिस्पर्धी निविदा का प्रस्ताव मनमोहन सिंह की तत्कालीन सरकार ने ही किया था लेकिन उस समय भाजपा शासित राज्य सरकारों ने विरोध किया था। इससे पहले खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने खान और खनिज विधेयक चर्चा के लिए रखा और कहा कि इसका मकसद खदानों की नीलामी एवं आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना एवं कारोबार के अनुकूल माहौल तैयार करना है।

भाजपा-राजग के तीन उम्मीदवारों से जुड़ी याचिका केरल उच्च न्यायालय ने खारिज की

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को भाजपा-राजग के तीन उम्मीदवारों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया जो विधानसभा चुनाव में उनके नामांकन को रद्द करने की चुनौती देने के लिए दायर की गई थीं। न्यायमूर्ति एन नागरेश ने निर्वाचन आयोग के मत को स्वीकार किया कि एक बार चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद अदालत हस्तक्षेप नहीं करती। भाजपा के एन हरिदास और निवेदिता सुब्रमण्यम तथा सहयोगी दल अन्नाद्रमुक की उम्मीदवार आर एम धनलक्ष्मी ने अपना नामांकन रद्द होने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उनके नामांकन पत्र अधूरे होने के कारण , नामांकन रद्द कर दिया गया था। हरिदास ने थालासेरी (कन्नूर) और निवेदिता ने गुरुवयूर (त्रिशूर) से पर्चा दाखिल किया था और अन्नाद्रमुक की धनलक्ष्मी ने इडुक्की जिले के देवीकुलम से नामांकन भरा था। इन सीटों पर छह अप्रैल को मतदान होगा।

जौनपुर सांसद श्याम सिंह द्वारा बेलापार रेलवे क्रासिंग की समस्या को संसद में उठाया गया

संवाददाता जनार्दन गौड़

जौनपुर। नौपेड़वा पहल सेवा संस्थान बेलापार के प्रस्ताव पर रेलवे क्रासिंग की समस्या को जौनपुर सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा संसद में उठाया गया।

पहल पुस्तकालय बेलापार के प्लेटफार्म से गांव व क्षेत्र के जनमानस की मांग पर पहल पुस्तकालय के आंशिक उद्घाटन के आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 27 अक्टूबर 2019 को माननीय श्री श्याम सिंह यादव सांसद महोदय ने बेलापार क्रासिंग चालू कराने का आश्वासन दिया था।जिसको जल्द से जल्द निर्माण कार्य कराकर चालू कराने की मांग बहुत जोरदार पूर्वक सदन में रखते हुए कहा कि बेलापार के अलावा भी कम से कम 20 ग्राम सभा इस मार्ग से गुजरते है और इसी दूरी को पूरा करने के लिए लगभग 5 से 6 किलोमीटर घूम के जाना पड़ता है इस लिए जल्द से जल्द रेलवे क्रासिंग बनाना अतिआवश्यक है जिससे बेलापार व आस-पास के गांवों की समस्या का समाधान यथा शीघ्र हो सके।

पहल पुस्तकालय के संस्थाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार यादव व गांव के पूर्व बी डी ओ धर्मराज यादव ,महेंद्र प्रताप यादव नैपाल,उदयभान यादव ,रमाशंकर यादव ,अनिल यादव बबलू ,डॉ अरविन्द यादव,व कई गांव के लोग सांसद जी का आभार प्रकट किया ।

विपक्षी दल सत्ता में आया तो असम में अंधेरे दिन शुरू हो जाएंगे : जेपी नड्डा

तिनखोंग, असम । असम में विधानसभा प्रचार चरम पर चल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर अवसरवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यदि विपक्षी दल सत्ता में आया तो असम में अंधेरे दिन शुरू हो जाएंगे। नड्डा ने डिब्रूगढ़ जिले के तिनखोंग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा असम की जनता की रक्षा व सेवा में सदैव आगे रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य अवसरवाद की राजनीतिक करना है। वह केरल में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर माकपा के खिलाफ चुनाव लड़ रही है और पश्चिम बंगाल तथा असम में उससे हाथ मिला लिया है। भाजपा नेता ने कहा कि हाथी की तरह कांग्रेस के दांत भी खाने के कुछ आर तथा दिखाने के कुछ और हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा कहती कुछ है जबकि करती कुछ और है...वह समाज को बांट रही है। नड्डा ने कांग्रेस पर हमले जारी रखते हुए कहा कि विपक्षी दल के सत्ता में आने का अर्थ अंधेरे दिनों की शुरुआत है जबकि भाजपा का मतलब विकास है। उन्होंने कहा, यदि आप अंधेरा चाहते हैं तो कांग्रेस के साथ चले जाएं। लेकिन यदि आप विकास चाहते हैं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ थाम लें।

वास्तुशास्त्र

स्नानगृह और शौचालय एक साथ होना ठीक नहीं

आज कल घरों में बाथरूम और टॉयलेट एक साथ होना आम बात है लेकिन वास्तुशास्त्र के नियम के अनुसार इससे घर में वास्तुदोष उत्पन्न होता है। इस दोष के कारण घर में रहने वालों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पति-पत्नी एवं परिवार के अन्य सदस्यों के बीच अक्सर मनमुटाव एवं वाद-विवाद की स्थिति बनी रहती है।

वास्तु शास्त्र के प्रमुख ग्रंथ विश्वकर्मा प्रकाश में बताया गया है कि 'पूर्वम स्नान मंदिरम' अर्थात भवन के पूर्व दिशा में स्नानगृह होना चाहिए। शौचालय की दिशा के विषय में विश्वकर्मा कहते हैं 'या नैऋत्य मध्ये पुरीष त्याग मंदिरम' अर्थात दक्षिण और नैऋत्य (दक्षिण-पश्चिम) दिशा के मध्य में पुरीष यानी मल त्याग का स्थान होना चाहिए। बाथरूम और टॉयलेट एक दिशा में होने पर वास्तु का यह नियम भंग होता है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्नानगृह में चंद्रमा का वास है तथा शौचालय में राहू का। यदि किसी घर में स्नानगृह और शौचालय एक साथ हैं तो चंद्रमा और राहू एक साथ होने से चंद्रमा को राहू से ग्रहण लग जाता है, जिससे चंद्रमा दोषपूर्ण हो जाता है। चंद्रमा के दूषित होते ही कई प्रकार के दोष उत्पन्न होने लगते हैं। चंद्रमा मन और जल का कारक है और राहु विष का। इस युति से जल विष युक्त हो जाता है। जिसका प्रभाव पहले तो व्यक्ति के मन पर पड़ता है और दूसरा उसके शरीर पर।

शास्त्रों में चन्द्रमा को सोम अर्थात अमृत कहा गया है और राहु का विष। अमृत और विष एक साथ होना उसी प्रकार है जैसे अग्नि और जल। दोनों ही विपरीत तत्व हैं। इसलिए बाथरूम और टॉयलेट एक साथ होने पर परिवार में अलगाव होता है। लोगों में सहनशीलता की कमी आती है। मन में एक दूसरे के प्रति द्वेष की भावना बढ़ती है।

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं।

मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से।

अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है।

उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

शिव के अर्द्धनारीश्वर स्वरूप में छिपा है सृष्टि का रहस्य

भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की अर्द्धनारीश्वर तस्वीर आपने जरूर देखी होगी। शिव पार्वती के अन्य स्वरूपों से यह स्वरूप बहुत ही खास है। इस स्वरूप में संसार के विकास की कहानी छुपी है। शिव पुराण, नारद पुराण सहित दूसरे अन्य पुराण भी कहते हैं कि अगर शिव और माता पार्वती इस स्वरूप को धारण नहीं करते तो सृष्टि आज भी विरान रहती।

अर्द्धनारीश्वर स्वरूप के विषय में जो कथा पुराणों में दी गयी है उसके अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचना का कार्य समाप्त किया तब उन्होंने देखा कि जैसी सृष्टि उन्होंने बनायी उसमें विकास की गति नहीं है। जितने पशु-पक्षी, मनुष्य और कीट-पतंग की रचना उन्होंने की है उनकी संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है। इसे देखकर ब्रह्मा जी चिंतित हुए। अपनी चिंता लिये ब्रह्मा जी भगवान विष्णु के पास पहुंचे। विष्णु जी ने ब्रह्मा से कहा कि आप शिव जी की आराधना करें वही कोई उपाय बताएंगे और आपकी चिंता का निदान करेंगे।

ब्रह्मा जी ने शिव जी की तपस्या शुरू की इससे शिव जी प्रकट हुए और मैथुनी सृष्टि की रचना का आदेश दिया। ब्रह्मा जी ने शिव जी से पूछा कि मैथुन सृष्टि कैसी होगी, कृपया यह भी बताएं। ब्रह्मा जी को मैथुनी सृष्टि का रहस्य समझाने के लिए शिव जी ने अपने शरीर के आधे भाग को नारी रूप में प्रकट कर दिया।

इसके बाद नर और नारी भाग अलग हो गये। ब्रह्मा जी नारी को प्रकट करने में असमर्थ थे इसलिए ब्रह्मा जी की प्रार्थना पर शिवा यानी शिव के नारी स्वरूप ने अपने रूप से एक अन्य नारी की रचना की और ब्रह्मा जी को सौंप दिया। इसके बाद अर्द्धनारीश्वर स्वरूप एक होकर पुन: पूर्ण शिव के रूप में प्रकट हो गया। इसके बाद मैथुनी सृष्टि से संसार का विकास तेजी से होने लगा। शिव के नारी स्वरूप ने कालांतर में हिमालय की पुत्री पार्वती रूप में जन्म लेकर शिव से मिलन किया।

रंक को राजा बना सकता है जादूई रत्न नीलम

जिस तरह नवग्रहों में शनि शक्तिशाली और लम्बे समय तक असर दिखाने वाला ग्रह है उसी प्रकार शनि का रत्न नीलम भी चमत्कारी है। नीलम के विषय में माना जाता है कि इसमें बनाने और बिगाड़ने दोनों ही तरह की शक्ति मौजूद होती है। धारण करने वाले के लिए नीलम शुभ हो जाए तो रंक से राजा बना देता है और अगर यह अशुभ प्रभाव देने लगे तो राजा को रंक बनाने में भी इसे देर नहीं लगती है।

नीलम लकी है या नहीं जानने की विधि

नीलम का प्रभाव बहुत से तेजी से होता है। यह लगभग 24 घंटे में ही असर दिखाना शुरू कर देता है। नीलम की इन्हीं शक्तियों के कारण ज्योतिषशास्त्री सलाह देते हैं कि नीलम धारण करने से पहले इसकी जांच जरूर कर लें कि, यह आपके लिए लकी है या नहीं। इसके लिए सामान्य सी विधि यह है कि नीलम को तकिये के नीचे रखें। सोते समय बुरे सपने नहीं आएं, स्वास्थ्य सामान्य रहे और चेहरे में कोई बदलाव नहीं हो तब नीलम को पंचधातु, लोहा अथवा सोने की अंगूठी में जड़वाकर धारण करें। अगर इनमें से कोई भी परेशानी आती है तब नीलम पहनने की भूल नहीं करनी चाहिए।?

असली नीलम की पहचान

रत्न विक्रेता विनीश पटेल बताते हैं कि नीलम 35 रूपये प्रति कैरट से लेकर 50 हजार रूपये प्रति कैरेट तक का होता है। अगर व्यक्ति को नीलम पहचानने की थोड़ी सी समझ हो तो रत्न की खरीदारी में ठगे जाने की संभावना कम रहती है। अच्छी क्वालिटी के नीलम को अगर दूध में डाल दिया जाए तो दूध का रंग नीला दिखता है।

पानी से भरे कांच के गिलास में नीलम को रखें तो पानी के ऊपर नीली किरण दिखाई देगी। असली नीलम चमकीला और चिकना होता है। मोर के पंख के समान इसका रंग नीला होता है। यह पूरी तरह से पारदर्शी होता है इसके ऊपर रोशनी डालने पर नीली आभा छिटकती है।?

नीलम धारण करने का नियम

एक व्यस्क व्यक्ति को 5, 7, 9 अथवा 12 रत्ती का नीलम धारण करना चाहिए। इसे धारण करने से पहले शनि 'मंत्र ओम् प्रां प्रीं प्रौं स: शनिश्चराय नम:' मंत्र का जितना अधिक संभव हो जप करना चाहिए। कम से 11,000 बार मंत्र जप जरूर करें। नीलम धारण करने के लिए शुभ नक्षत्र पुष्य, उत्तराभाद्रपद, चित्र, स्वाति, धनिष्ठा और शतभिषा है।

जल और बेलपत्र से महादेव की पूजा का रहस्य

भगवान शिव को औढ़र दानी कहते हैं। शिव का यह नाम इसलिए है क्योंकि यह जब देने पर आते हैं तो भक्त जो भी मांग ले बिना हिचक दे देते हैं। इसलिए सकाम भावना से पूजा-पाठ करने वाले लोगों को भगवान शिव अति प्रिय हैं। भगवान विष्णु को प्रसन्न करना कठिन भी है और इनसे वरदान प्राप्त करना उससे भी कठिन क्योंकि, यह बहुत ही सोच-समझकर वरदान देते हैं।

भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए कठिन तपस्या और भोग सामग्री की भी जरूरत होती है जबकि शिव जी थोड़ी सी भक्ति और बेलपत्र एवं जल से भी खुश हो जाते हैं। यही कारण है कि भक्तगण जल और बेलपत्र से शिवलिंग की पूजा करते हैं। शिव जी को ये दोनों चीजें क्यों पसंद हैं इसका उत्तर पुराणों में दिया गया है।

सागर मंथन के समय जब हालाहल नाम का विष निकलने लग तब विष के प्रभाव से सभी देवता एवं जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। ऐसे समय में भगवान शिव ने विष को अपनी अंजुली में लेकर पी लिया। विष के प्रभाव से स्वयं को बचाने के लिए शिव जी ने इसे अपनी कंठ में रख लिया इससे शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और शिव जी नीलकंठ कहलाने लगे।

लेकिन विष के प्रभाव से शिव जी का मस्तिष्क गर्म हो गया। ऐसे समय में देवताओं ने शिव जी के मस्तिष्क पर जल उड़लेना शुरू किया जिससे मस्तिष्क की गर्मी कम हुई। बेल के पत्तों की तासीर भी ठंढ़ी होती है इसलिए शिव जी को बेलपत्र भी चढ़ाया गया। इसी समय से शिव जी की पूजा जल और बेलपत्र से शुरू हो गयी।

बेलपत्र और जल से शिव जी का मस्तिष्क शीतल रहता और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए बेलपत्र और जल से पूजा करने वाले पर शिव जी प्रसन्न होते हैं। शिवरात्रि की कथा में प्रसंग है कि, शिवरात्रि की रात में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पड़ी। नींद आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोड़कर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिव जी प्रसन्न हो गये। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान दिया।

शुभ कार्यों में नारियल का होना जरूरी

जब भी आप घर में कोई विशेष पूजा का आयोजन अथवा शुभ कार्य का अनुष्ठान करते हैं तो उसमें नारियल जरूर होता है। पण्डित जी की खास हिदायत होती है कि एक पानी वाला नारियल पूजा में जरूर रखें। इसका कारण यह है कि कोई भी पूजा और अनुष्ठान बिना गणेश और लक्ष्मी के आशीर्वाद के बिना संपन्न नहीं हो सकता। गणेश की मौजूदगी के लिए पूजा में सुपारी रखा जाता है तो लक्ष्मी की कृपा के लिए नरियल। ऐसी मान्यता है कि पूजा में नारियल और सुपारी रखने से बिना किसी विघ्न के कार्य संपन्न होता है।

ज्योतिषशास्त्र में नारियल पूजनीय

नारियल ऊपर से सख्त आवरण से ढका होता है। इसलिए बाहरी प्रदूषण का इस पर असर नहीं होता है। यह अंदर से निर्मल और पवित्र रहता है। इसके अंदर जल भरा होता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सफेद और जल वाले स्थान पर चन्द्रमा का वास रहता है। चन्द्रमा मन का कारक ग्रह है। किसी कार्य में सफलता के लिए मन का शांत होना जरूरी है। वास्तुशास्त्र के अनुसार जलीय जीवों एवं जल युक्त वस्तुओं से वास्तु दोष दूर होता है। इन कारणों से शुभ कार्यों में नारियल कलश पर रखकर इसकी पूजा की जाती है।

नारियल में मौजूद औषधीय गुण

जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है स्वास्थ्य। नारियल को पूजा में शामिल करने का एक बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि नारियल में स्वास्थ्य से संबंधित कई समस्यओं को दूर करने की क्षमता है। हमारे ऋषि मुनियों ने इसी तथ्य को समझाने के लिए नारियल को पूजानीय फल के रूप में प्रतिष्ठित किया होगा।

नारियल में दूध से अधिक पौष्टिक तत्व मौजूद हैं। बच्चे को दूध नहीं पच रहा हो तो नारियल का पानी दिया जा सकता है। यह सुपाच्य होता है। इसके नियमित सेवन से रूप निखरता है तथा मन निर्मल होता है। झाईयां एवं चेचक के दाग मिटाने में इसका पानी बहुत ही कारगर होता है। इसका उपयोग मिठाइयां बनाने में तथा विभन्न प्रकार के व्यंजनों में भी होता है। अपने इन गुणों के कारण भी नारियल पूजनीय है।

संपादकीय

टीका कब तक कारगर

भारत में जब चार करोड़ से भी अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है, तब लोगों के मन को यह सवाल स्वाभाविक ही मथ रहा है कि आखिर कोरोना टीका कितने समय तक प्रभावी रहेगा? अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने शनिवार को इस सवाल का जवाब देते हुए कहा है कि कोविड-19 टीका आठ से दस महीने और शायद इससे भी ज्यादा समय तक संक्रमण से पूरी सुरक्षा दे सकता है। उन्होंने इससे संबंधित आंकड़े तो पेश नहीं किए, इसलिए यह मानना चाहिए कि यह एक कयास भर है। अभी दुनिया में किसी भी विशेषज्ञ या वैज्ञानिक ने कोविड-19 के टीके के बारे में ऐसी कोई बात कही नहीं है, इसलिए पूरी दुनिया में डॉक्टर गुलेरिया का संदेश गया है। यह सवाल निश्चित रूप से पूछा जाना चाहिए कि आखिर आठ-दस महीने का अनुमान पेश करने का आधार क्या है? क्या टीका शरीर में जो एंटीबॉडी या रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है, उसकी अवधि महज आठ या दस महीने ही है? वैज्ञानिकों को गहराई से इसका अध्ययन करना चाहिए, लेकिन इसके लिए कम से कम एक या दो साल इंतजार करना पड़ेगा, तभी अनुभव और आंकड़ों के आधार पर तय होगा कि कोरोना का टीका कितने समय तक पूरी तरह कारगर रहता है। जाहिर है, अगर टीका हमें आठ-दस महीने तक ही सुरक्षा दे सकता है, तो फिर इसका अर्थ है, इतने समय बाद फिर टीका लेने की जरूरत पड़ेगी। क्या तब भी सरकार मुफ्त टीके लगवाएगी? सरकार पर कितना भार आएगा और तब टीके की जायज कीमत क्या होगी? आठ-दस महीने तक कारगर रहने वाले किसी टीके की कीमत क्या होनी चाहिए, यह भी कंपनियों को ध्यान में रखना होगा। हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोरोना टीके का प्रयोग सामान्य स्थितियों में नहीं हो रहा है। किसी भी टीके के प्रभाव का आकलन करने में वर्षों लगते हैं। हमें यह उम्मीद करनी चाहिए कि कोई ऐसा टीका भी आएगा, जिसकी एक खुराक से ही जीवन भर कोरोना से बचाव संभव हो सकेगा। अभी अमेरिका में भी तीन टीकों का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन किसी भी टीके के बारे में यह नहीं कहा गया है कि यह कितने समय तक कारगर रहेगा। वैज्ञानिक इसकी घोषणा के लिए इंतजार करना चाहते हैं। टीके की दुनिया में अभी कई सवाल हैं, जिनका जवाब वैज्ञानिकों को कायदे से देना पड़ेगा। अभी दुनिया में 96 टीके उम्मीदवारी जता रहे हैं। 27 टीके तो परीक्षण के तीसरे चरण में हैं और ज्यादातर देशों में कुल 13 टीकों को ही अभी तक मान्यता दी गई है। दुनिया में अभी तक कोई भी टीका 85 प्रतिशत से ज्यादा कामयाब नहीं माना जा रहा है। मतलब टीका ले रहे 15 प्रतिशत लोगों को फिर कोरोना कभी भी होने की आशंका है और जिन 85 प्रतिशत लोगों में टीका कारगर सिद्ध हो रहा है, उन्हें भी अगर दस महीने बाद फिर टीके की जरूरत पड़े, तो टीकाकरण अभियान कब-कैसे खत्म होगा? अभी हम जिस गति से चल रहे हैं, उसमें सभी को टीका देना आगामी एक वर्ष में संभव नहीं है। चिंता होती है कि अभी कोरोना जाता हुआ नहीं दिख रहा। अगर यह ऐसे ही टिका रहा, तो हर साल भारत में 130 करोड़ लोगों का टीकाकरण कैसे होगा? निस्संदेह, कोरोना से जीतने का एक ही तरीका है सावधानी और जहां तक पुख्ता टीके का सवाल है, तो इंतजार करना पड़ेगा।

आज के ट्वीट

पानी की टेस्टिंग

आजादी के बाद पहली बार पानी की टेस्टिंग को लेकर किसी सरकार द्वारा इतनी गंभीरता से काम किया जा रहा है। और मुझे इस बात की भी खुशी है कि पानी की टेस्टिंग के इस अभियान में हमारे गांव में रहने वाली बहनों-बेटियों को जोड़ा जा रहा है: -- पीएम

मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी

शहीद दिवस विशेष :- योगेश कुमार गोयल

भारत के वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस अथवा सर्वोदय दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। देश की आजादी के दीवाने ये तीनों स्वतंत्रता सेनानी इसी दिन हंसते-हंसते फांसी चढ़ गए थे और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत सरकार द्वारा इस दिन को 'शहीद दिवस' घोषित किया गया। हालांकि स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राण न्यौछावर किए और उनमें से बहुतों के बलिदान को प्रतिवर्ष किसी न किसी अवसर पर स्मरण किया जाता है लेकिन हर साल 23 मार्च का दिन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सपूतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एकदिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी। भगत सिंह प्राय: एक शेर गुनगुनाया करते थे-

जब से सुना है मरने का नाम जिन्दगी है,
सर से कफन लपेटे कातिल को ढूंढते हैं।

भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एकदिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाड़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। शहीदे आजम भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबत्ती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर कुर्बान होगा। 28 सितम्बर 1907 को जन्मे भगत सिंह ने अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान् क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी मायने में कम नहीं। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगत सिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव, भगत सिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगत सिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रुझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे। पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंकने की योजना बनाई। 1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फेंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फेंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, 'आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।' हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में 'लाहौर षड्यंत्र केस' के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हड़ताल की। 23 मार्च 1931 की शाम करीब 7.33 बजे भारत मां के इन तीनों महान् वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे-

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

फांसी पर चढ़ने से कुछ समय पहले भगत सिंह एक पुस्तक पढ़ रहे थे, राजगुरू वेद मंत्रों का गान कर रहे थे जबकि सुखदेव कोई क्रांतिकारी गीत गुनगुना रहे थे। फांसी के तख्ते पर चढ़कर तीनों ने फंदे को चूमा और अपने ही हाथों फंदा अपने गले में डाल लिया। जेल वार्डन ने यह दृश्य देखकर कहा था कि इन युवकों के दिमाग बिगड़े हुए हैं और ये पागल हैं। इस पर सुखदेव ने गुनगुनाते हुए कहा, 'इन बिगड़े दिमागों में घनी खुशबू के लच्छे हैं। हमें पागल ही रहने दो, हम पागल ही अच्छे हैं।'

भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव भारत माता के ऐसे सच्चे सपूत थे, जिन्होंने देशप्रेम और देशभक्ति को अपने प्राणों से भी ज्यादा महत्व दिया। देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। भगत सिंह कहा करते थे कि एक सच्चा बलिदानी वही है, जो जरूरत पड़ने पर सबकुछ त्याग दे। ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

समर्पण

श्रीराम शर्मा आचार्य

मित्रो! एक बार लैला ने मजनूं की परीक्षा लेनी चाही और जानना चाहा कि मजनूं कैसा है? पहले तो उसने ऐसा इंतजाम कर दिया कि उसको कुछ पैसे मिल जाया करें, दुकानदारों से खाने को मिल जाया करे। फिर उसने सोचा, ऐसा तो नहीं कि वह हरामखोर हो और फोकट का खा रहा हो। उसने अपनी बांदी से यह कहला भेजा कि लैला बहुत बीमार है। सुनकर मजनूं बड़ा दुखी हुआ। बांदी ने कहा-दुखी होने से क्या फायदा? आप कुछ मदद कीजिए न उनकी। उसने कहा-लैला को हम बहुत प्यार करते हैं। प्यार करते हो तो कुछ दीजिए न। मजनूं ने कहा-मैं क्या दूं? बांदी ने कहा-डॉक्टरों ने यह कहा है कि लैला की नसों में खून का एक प्याला चढ़ाया जाएगा, आप अपना खून देंगे क्या, जिससे कि लैला की जिन्दगी बचाई जा सके। मजनूं फौरन तैयार हो गया। उसने जो कटोरा बांदी लेकर आई थी, खून से लबालब भर दिया। बांदी जब खून लेकर चली, तब उसने बांदी से एक और बात कही-बांदी जल्दी आना, अभी कई कटोरे खून मेरे शरीर में है। वह मैं उसके सुपुर्द करूंगा, क्योंकि उससे मैं मुहब्बत करता हूं और मुहब्बत का मतलब होता है-देना। बांदी जब एक कटोरा खून लेकर के गई, तो नकली मजनूं जो थे, सब भगा दिए गए। लैला ने अपने बाप से कह दिया-जो मुझसे इतनी मुहब्बत करता है और जो मुहब्बत की कीमत को समझता है, उसके ही साथ मैं रहूंगी। लैला और मजनूं की शादी हो गई। आपकी भी शादी भगवान के साथ में हो सकती है, लेकिन करना क्या चाहिए? सिर्फ एक बात करनी चाहिए कि भगवान की मर्जी पर चलने के लिए आप आमादा हो जाइए। भगवान जो आपसे चाहते हैं, उसको कीजिए। आपका चाहना भी ठीक है, लेकिन आप जो चाहते हैं, उससे पहले बहुत कुछ दे दिया है भगवान ने। आपको इनसान की जिन्दगी दी है और ऐसी जिंदगी दी है कि आप अपनी मनमर्जी पूरी कर सकते हैं। मनमर्जी के लिए कोई कमी नहीं है। अपनी दैनिक जरूरतों की भगवान से अपेक्षा मत कीजिए। आप अपनी हविश, अपनी तमन्नाओं, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भगवान को मजबूर करेंगे कि कर्तव्य की बात को छोड़कर वह पक्षपात करने लगे और कर्मफल की महत्ता का परित्याग कर दे?

मन-मस्तिष्क चिंतामुक्त कर लें आनंद

नरपत दान बारहठ

समस्याएं सहजात होती हैं यानी कि जन्म के साथ ही समस्याएं भी पैदा होती हैं। इनसानी जीवन समस्याओं को लेकर हमेशा बिखरा हुआ रहता है। हर कोई चाहता है कि उसके जीवन में कोई समस्या हो ही नहीं। वहीं, कहीं एक समस्या समाप्त हो भी जाती है तो दूसरी शुरू हो जाती है। यानी समस्याओं का सिलसिला जीवन के समानांतर सतत रूप में चलता रहता है और मनुष्य जीवन भर समस्याओं के अंत होने का इंतजार करता रहता है। उनसे लड़ता रहता है। समस्याएं तो आती रहती हैं लेकिन जब समस्या का सामना करने की बात आती है तो सवाल यह भी कि आखिर कितनी समस्याओं का सामना करें। और कई दफा समस्या का सामना करने के बाद भी समस्या जीत जाती है और जीवन छोटा हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में मनुष्य के अंतस में जीवन से नैराश्य की भावना पैदा होती है। तो इन समस्याओं के एक समग्र रूप में समाधान को जानने के लिए विवेक को थोड़ा समस्याओं के प्रति उर से दूर रखना चाहिए। समस्याओं को जीवन का एक अपरिहार्य हिस्सा मानकर, उनके साथ-साथ चलना ही सही अर्थों में जीवन है। अगर सब कुछ सहज रूप में मिल जाए तो फिर मनुष्य को जीवन में कुछ करना ही ना पड़े और जब कुछ करना ही ना पड़े तो फिर जीवन का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता। दरअसल समस्याएं ही जीवन की दशा और दिशा तय करती हैं। बहरहाल, समस्याओं के रूप को एक छोटी -सी कहानी से समझ सकते हैं। कहानी इस प्रकार है-एक व्यक्ति निजी व्यवसाय करता था। हर समय वो किसी न किसी समस्या से परेशान रहता था। एक बार शहर से कुछ दूरी पर एक महात्मा का काफिला रुका। शहर में चारों ओर उनकी काफी चर्चा थी। बहुत से लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचने लगे। उस आदमी ने भी महात्मा के दर्शन करने का निश्चय किया। छुट्टी के दिन समय निकालकर उनके काफिले तक पहुंचा। बहुत लंबा इंतज़ार करने के बाद उसका नंबर आया। वह महात्मा से बोला--महात्मा जी, मैं अपने जीवन में बहुत-सी समस्याओं से जूझ रहा हूं, हर समय समस्याएं मुझे घेरे रहती हैं, कभी ऑफिस की टेंशन रहती है, तो कभी घर पर कोई अनहोनी हो जाती है, और कभी अपनी सेहत को लेकर परेशान रहता हूं। कोई ऐसा उपाय बताइये कि मेरे जीवन से सभी समस्याएं ख़त्म हो जाएं और मैं चैन से जी सकूं। महात्मा मुस्कुराये और बोले-वत्स, अब रात हो गयी है, अब समय नहीं है। मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर कल सुबह दूंगा, लेकिन क्या तब तक तुम मेरा एक छोटा सा काम करोगे? उसने कहा-जरूर। महात्मा बोले-वत्स, हमारे काफिले में सौ ऊंट हैं, मैं चाहता हूं कि आज रात तुम इनका ख्याल रखो। जब सौ के सौ ऊंट बैठ जाएं तो तुम भी सो जाना। ऐसा कहते हुए महात्मा अपने तम्बू में चले गए। अगली सुबह महात्मा उस आदमी से मिले और पूछा-कहो वत्स, नींद तो अच्छी आई ना। वो परेशान मुद्रा बनाते हुए बोला-कहां महात्मा जी, मैं तो एक पल भी नहीं सो पाया। मैंने बहुत कोशिश की पर मैं सभी ऊंटों को नहीं बैठा पाया, कोई न कोई ऊंट खड़ा हो ही जाता। महात्मा बोले -वत्स, बिल्कुल ठीक कह रहे हो। कल रात तुमने अनुभव किया कि चाहे कितनी भी कोशिश कर लो सारे ऊंट एक साथ नहीं बैठ सकते। तुम एक को बैठाओगे तो दूसरा खड़ा हो जाएगा। जीवन में समस्याएं भी ठीक इसी तरह रहती हैं। अगर तुम एक समस्या का समाधान करोगे तो किसी कारणवश दूसरी खड़ी हो जाएगी। वत्स, जब तक जीवन है, ये समस्याएं तो बनी ही रहती हैं, कभी कम तो कभी ज्यादा। तो हमें क्या करना चाहिए? उस आदमी ने जिज्ञासावश पूछा। महात्मा ने इत्मीनान से प्रत्युत्तर दिया-इन समस्याओं के बावजूद जीवन का आनंद लेना सीखो। जैसे कल रात क्या हुआ। जैसे कई ऊंट रात होते-होते खुद ही बैठ गए, कई तुमने अपने प्रयास से बैठा दिए, बहुत से ऊंट तुम्हारे प्रयास के बाद भी नहीं बैठे और बाद में तुमने पाया कि उनमें से कुछ खुद ही बैठ गए। अब आप इनसे कुछ समझे? समस्याएं भी ठीक ऐसी ही होती हैं। जैसे कुछ तो अपने आप ही ख़त्म हो जाती हैं, कुछ को तुम अपने प्रयास से हल कर लेते हो, कुछ तुम्हारे बहुत कोशिश करने पर भी हल नहीं होतीं। ऐसी समस्याओं को समय पर छोड़ दो, उचित समय पर वे खुद ही ख़त्म हो जाएंगी। जीवन है तो कुछ समस्याएं रहेंगी ही रहेंगी, पर इसका ये मतलब नहीं कि तुम दिन-रात उन्हीं के बारे में सोचते रहो। समस्याओं को एक तरफ रखो और जीवन का आनंद लो, चैन की नींद सोओ, जब उनका समय आएगा, वो खुद ही हल हो जाएंगी।.. इस कहानी के सार को जीवन में उतार कर हम समस्याओं से मन-मस्तिष्क को मुक्त रखकर आनंद में जीवन जी सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

पत्तियों से सौंदर्य

प्रकृति ने पत्तियों में बहुत सारे गुण प्रदान किये हैं जो सेहत और सौंदर्य के लिए वरदान से कम नहीं। कुछ उदाहरण :-

-नीम की कच्ची कोपलों को पीस कर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाने मुंहासे कम होते हैं। यह स्किन के लिए अच्छे फेसवॉश का भी काम करता है। खासकर तैलीय त्वचा के लिए यह बेहतरीन क्लींजर है।

-नींबू की कोमल पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलायें। चेहरे पर फेसपैक को कुछ देर लगाकर रखें। इससे रंग में निखार आता है और ताजगी का अहसास होता है।

-तुलसी की पत्तियों को सुखाकर बारीक पाउडर बना लें। इसे टेल्कम पाउडर की तरह स्किन पर रगड़ने से चेहरे के दागध ब्बे कम हो जाते हैं।

-आंखों में ताजगी लाने और डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए पुदीने की पत्तियां पीस कर लगानी चाहिए। ताजा हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की गर्मी निकल जाती है।

-मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें आंवले का रस मिलायें। बालों में अच्छी तरह लगायें और कुछ समय बाद धो डालें। इससे बालों में चमक आती है।

-तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। साफ पानी से धो डालें। इससे ब्लैक स्पॉट मिटते हैं और त्वचा निखरी-निखरी नजर आती है।

-नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर बालों की जड़ों में अच्छे से लगाने से रूसी दूर हो जाती है। इससे सिर में होने वाले दूसरे इंफेक्शन और जुओं से भी छुटकारा मिलता है।

-मेहंदी की हरी या सूखी पत्तियों का पेस्ट बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करता है।

-मीठे नीम की पत्तियों के रस को छाछ के साथ मिलाकर पीने से बालों को असमय सफेद होना बंद हो जाता है।

पत्तियों से स्वास्थ्य

-तुलसी की कुछ पत्तियां मुंह में रखकर धीरे-धीरे चबाने से दुर्गंध नहीं आती, दांत के दर्द में आराम मिलता है और रक्त भी शुद्ध होता है।

-मधुमेह के रोगियों के लिए पालक की हरी पत्तियों का सेवन बहुत ही लाभकारी होता है।

-अमरूद के पत्तों को पान की तरह कत्था लगाकर चबाने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।

-पुदीने की कुछ पत्तियां सुबह शाम चबाने से दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं और मुंह में ताजगी बनी रहती है।

-आम की कच्ची कोपलों को दांतों से खूब चबाकर थूक दें। दांत मजबूत और चमकदार बन जायेंगे।

-ब्राह्मी की पत्तियों का थोड़ा-सा ताजा रस (एक चम्मच) लेने से सर्दी-खांसी और उल्टी-दस्त बंद हो जाते हैं।

-नीम की पत्तियों के पेस्ट में थोड़ी-सी हल्दी मिलाकर लगाने से फुंसियां ठीक हो जाती हैं।

-हैजा, पेटदर्द, अजीर्ण, हिचकी बंद न होना, चर्मरोग और ब्लडप्रेशर कंट्रोल जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए पुदीना की पत्तियां कारगर दवा है। पुदीना एंटीबायोटिक औषधि का भी काम करती है।

-मेहंदी की पत्तियों का पेस्ट पैरों के तलवों में लगाने से जलन कम होती है, ठंडक और सुकून का अहसास होता है।

-पालक की पत्तियों में मौजूद फ्लेजेवोनॉइडस एंटीऑक्सीडेंट्स का काम करते हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पालक में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है जो आंखों, बालों और त्वचा के लिए कफी फायदेमंद होता है।

-बथुए की पत्तियों को उबालकर उनका रस पीने से पेट और पेशाब के रोग ठीक होते हैं।

-पीपल की ताजी हरी पत्तियों का रस कान में टपकाने से कान का दर्द दूर होता है।

-कढ़ी पत्ता (मीठा नीम) के कुछ पत्तियों के रस को नींबू के रस और शक्कर के साथ मिलाकर पीने से अपच, उल्टी और थकान मे आराम मिलता है।

-हरे धनिये की पत्तियां वातनाशक और पाचनशक्ति को बढ़ाने वाली होती हैं। इसकी पत्तियों को पानी भिगोकर मसलकर पानी को छान लें।

ब्यूटी टिप्स

होली के रंग निकाले, रूप निखार

युवाओं को होली के रंग-बिरंगे पर्व का खास इंतजार रहता है। क्यों न हो! होली का त्योहार ही कुछ ऐसा है। पर होली के लाल-पीले रंगों से सबसे ज्यादा डर लड़कियों को लगता है कहीं कलर्स से उनकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

बस इसीलिए कभी-कभी मन में उमंग होते हुए भी इस उत्सव का पूरी तरह आनंद नहीं उठाया जाता। होली के रंग कहीं त्वचा व रंग को बर्बाद न कर दे, यही आशंका बनी रहती है। लेकिन घबराइए नहीं, हमारे पास हैं रंगों को छुड़ाने के कुछ आसान से नुस्खे, जो आपके घर में ही उपलब्ध हैं। बस इन्हें इस्तेमाल कीजिए और रंगों को आसानी से छुड़ा लीजिए। तो फिर तैयार हैं न आप होली खेलने के लिए...!

* बेसन में नींबू व दूध मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर अपनी स्कीन पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो लें।

* खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिला लें। और इसका पेस्ट तैयार कर इससे मुंह धोएं। आपके चेहरे पर लगे सारे रंग के दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।

* मूली का रस निकालकर उसमें दूध व बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं और उसे चेहरे पर लगाने से भी चेहरा साफ हो जाता है।

* अगर आपकी त्वचा पर ज्यादा गहरा रंग लग गया हो तो दो चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑइल मिलाकर लेप बनाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अब स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें। और फिर बीस-पच्चीस मिनट बाद साबुन लगाकर चेहरा धोएँ। आपकी त्वचा पर लगा रंग उतर जाएगा।

* जौ का आटा व बादाम का तेल मिक्स कर लें। उसको त्वचा पर लगाकर रंग को साफ करें।

* दूध में थोड़ा सा कच्चा पपीता पीसकर मिलाएं। साथ ही थोड़ी सी मुलतानी मिट्टी व थोड़ा सा बादाम का तेल मिक्स करें और करीब आधे घंटे बाद चेहरा धो डालें।

* संतरे के छिलके व मसूर की दाल व बादाम को दूध में पीसकर पेस्ट बनाएं इस तैयार उबटन को पूरी त्वचा पर मसलें और धो लें। आपकी त्वचा साफ होकर उसमें निखार आएगा।

कहीं नुकसान न पहुंचा दे होली के रंग

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है। कैसे खेलें होली, क्या बरतें सावधानी,

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।

आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।

बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।

नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।

घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।

बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।

ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।

होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।

यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।

यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।

यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विशेषज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें।

सोने-चांदी में आई भारी गिरावट, जानें प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत

बिजनेस डेस्क: सोने-चांदी की कीमतों में आज फिर गिरावट देखने को मिली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार दिल्ली के सर्राफा बाजार में आज सोना 302 रुपए सस्ता हुआ है, जिसके बाद उसकी कीमत 44,269 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। पिछले सत्र में सोना 44,571 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दूसरी ओर आज चांदी की कीमतों में 1533 रुपए की भारी गिरावट आई है, जिसके बाद चांदी 65,319 रुपए प्रति किलो के स्तर पर आ चुकी है। पिछले सत्र में चांदी 66,852 रुपए प्रति किलो के स्तर बंद हुई थी।

पिछले हफ्ते क्या थी सोने की कीमत?

बहुमूल्य धातुओं की वैश्विक कीमतों में सुधार आने के समर्थन से दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 168 रुपए की तेजी के साथ 44,580 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। यह जानकारी एचडीएफसी सिक्यूरिटीज ने दी। पिछला बंद भाव 44,412 रुपए प्रति 10 ग्राम था। हालांकि, चांदी की कीमत प्रति किलोग्राम 135 रुपए की गिरावट के साथ 66,706 रुपए प्रति किग्रा रह गई। पिछले दिन का बंद भाव 66,841 रुपए प्रति किलोग्राम था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव तेजी के साथ 1,741 डॉलर प्रति औंस था जबकि चांदी का भाव 26.12 डॉलर प्रति औंस पर लगभग स्थिर रहा।

11 हजार रुपए से भी अधिक गिर चुका है सोना

सोने की कीमत में ऑल टाइम हाई से 11 हजार रुपए से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है। 2020 में सोना 28 फीसदी तक चढ़ा था और अब 11 हजार रुपए से भी अधिक गिर चुका है। सिर्फ इसी साल में भी सोने में भारी गिरावट आई है। इतना ही नहीं, चांदी में भी 10 हजार रुपए तक की गिरावट देखने को मिली है। अगस्त में सोने ने 56,310 रुपए का ऑल टाइम हाई छुआ था और अब सोना 44,580 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच चुका है।

गूगल के उपाध्यक्ष सीजर सेनगुप्ता ने इस्तीफा दिया

नयी दिल्ली, प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के उपाध्यक्ष सीजर सेनगुप्ता ने कंपनी के साथ 15 साल रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी के एक प्रवक्ता के अनुसार सेनगुप्ता ने गूगल के अपने कार्यकाल के दौरान क्रोम ओएस, नेक्स्ट बिलियन यूजर्स और गूगल पे जैसी पहल को शुरू करने और आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई। बयान में कहा गया, ''गूगल के साथ 15 साल रहने के बाद सीजर सेनगुप्ता ने कंपनी छोड़ने और गूगल के बाहर कोई उद्यम शुरू करने का व्यक्तिगत फैसला लिया है।'' कंपनी ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

पांच महीने में 6 गुना बढ़ी बिटकॉइन की कीमत

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत आसमान छू रही है। पिछले अक्टूबर में इसकी कीमत 10,500 डॉलर से इस महीने 60,000 डॉलर को पार कर गई। लेकिन इस तेजी के बावजूद दुनिया के जाने माने निवेशक वॉरेन बफे इसमें निवेश नहीं करना चाहते हैं। बफे ने पिछले साल कहा था कि क्रिप्टोकरेंसीज की कोई कीमत नहीं है। इनकी वैल्यू जीरो है। वे किसी काम की नहीं हैं। मेरे पास कोई क्रिप्टोकरेंसी नहीं है और न कभी होगी। इससे पहले 2019 में भी उन्होंने बिटकॉइन को गैंबलिंग डेवाइस बताया था। तब उन्होंने अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे की सालाना बैठक से पहले कहा था कि क्रिप्टोकरेंसीज के साथ कई तरह का फ्रॉड जुड़ा है। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी की तुलना अपनी जैकेट के बटन से की थी। बफे ने कहा था मैं एक बटन तोड़ूंगा और 1000 डॉलर में आपको ऑफर करूंगा। फिर देखूंगा कि मुझे दिन के ओ खिर में 2000 डॉलर मिलते हैं या नहीं। लेकिन बटन का एक ही काम है और यह काम बहुत सीमित है। बफे दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल है।

चार राज्यों ने की केंद्र से 16,467 करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज की मांग

नई दिल्ली:

आंध्र प्रदेश और गोवा सहित चार राज्यों ने भारत सरकार से विशेष वित्तीय पैकेज के रूप में 16,467 करोड़ रुपए की मांग की है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग को आंध्र प्रदेश, गोवा, मणिपुर और नागालैंड से विशेष वित्तीय पैकेज के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं। सोमवार को लोकसभा में वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एक लिखित जवाब में कहा। उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश ने राज्य के पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष विकास पैकेज के तहत 700 करोड़ रुपए जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा, ÷गोवा की राज्य सरकार ने पुर्तगाली शासन से मुक्ति के लिए 500 करोड़ रुपए की राशि के लिए डायमंड जुबली ईयर पैकेज की मांग की है। मणिपुर की राज्य सरकार ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों सहित 14,567 करोड़ रुपए के विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की है।÷ नागालैंड ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को कवर करते हुए 700 करोड़ रुपए की विशेष सहायता पैकेज की मांग की है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार राज्य सरकारों के अनुरोधों की जांच करती है और सकल बजटीय सहायता के भीतर संसाधनों की उपलब्धता के अधीन अनुदान के रूप में राज्यों को संसाधन हस्तांतरित करती है।

मारुति सुजुकी अप्रैल से बढ़ाएगी वाहनों के दाम

नयी दिल्ली, देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार को कहा कि वह कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण उसकी भरपाई के लिये अगले महीने से अपने सभी मॉडल के दाम बढ़ाएगी। मारुति ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले साल से कंपनी के वाहनों पर कच्चे माल की लागत में वृद्धि का असर हुआ है। कंपनी के अनुसार, ''अतः कंपनी के लिये यह जरूरी हो गया है कि वह अप्रैल 2021 से वाहनों के दाम बढ़ाकर अतिरिक्त लागत के कुछ हिस्से का भार ग्राहकों पर डाले।'' बयान में कहा गया है कि कीमत में वृद्धि विभिन्न मॉडल के लिये अलग-अलग होगी। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि वह अगले महीने से वाहनों की कीमत कितनी बढ़ाएगी। इससे पहले, मारुति सुजुकी ने इस साल 18 जनवरी को लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए चुनिंदा मॉडल पर दाम 34,000 रुपये तक बढ़ाने की घोषणा की थी।

मुंबई में SEBI के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के 6 ठिकानों पर CBI ने की छापेमारी

नई दिल्ली:

सारदा घोटाले मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (**CBI**) ने सोमवार को मुंबई में छह जगहों पर एक साथ छापेमारी की। न्यूज एजेंसी **ANI** के मुताबिक, **CBI** ने यह छापेमारी सेबी के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के घर और दफ्तरों पर की है। सारदा पोंजी घोटाले में तीनों अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है। यह छापेमारी ऐसे समय में हुई है, जब बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार तेजी से चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, घोटाले के समय ये तीनों अधिकारी पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो 2009 से 2013 के बीच कोलकाता में पोस्टिंग के दौरान इन अधिकारियों की जो भूमिका थी, वो फिलहाल जांच के दायरे में है। यह मामला एक कथित वित्तीय घोटाले और सारदा ग्रुप द्वारा चलाई गई पोंजी स्कीम के पतन के कारण हुए राजनीतिक घोटाले से संबंधित है। केंद्र द्वारा आयकर विभाग (**IT**) और प्रवर्तन निदेशालय (**ED**) सहित घोटाले के मामले की एक बहु-एजेंसी जांच कराई जा रही है। **ANI** के मुताबिक 2009 और 2013 के बीच बाजार नियामक के कोलकाता कार्यालय में उनकी पोस्टिंग के दौरान **SEBI** के इन तीनों अधिकारियों की भूमिका कथित रूप से संदेह के घेरे में आ गई है। राजनेताओं, विधान सभा के सदस्यों (विधायकों) और संसद सदस्यों (सांसदों) सहित कई प्रमुख हस्तियों पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

अगले महीने से रद्द हो सकता है आपका पैन कार्ड, आज ही करें ये काम

बिजनेस डेस्क:

आयकर विभाग ने सभी पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना अनिवार्य कर दिया है। इसलिए अगर आपने अभी तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं किया है, तो अलर्ट हो जाइए। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (**CBDT**) ने पर्मानेंट अकाउंट नंबर (**PAN**) और आधार लिंकिंग की आखिरी तारीख 31 मार्च 2021 तय की है यानी इसके लिए सिर्फ 10 दिन ही शेष हैं।

अगर आपने 31 मार्च तक यह काम नहीं किया, तो आपका पैन कार्ड बेकार हो सकता है। ऐसी स्थिति में आप पर आयकर अधिनियम की धारा 272बी के तहत 10,000 रुपए का जुर्माना भी लग सकता है। इसलिए सभी पैन कार्ड धारकों को स्टेटस की जांच कर आधार से जल्द-जल्द लिंक कराना चाहिए। सबसे पहले आपको ये जानना होगा कि आपका पैन कार्ड आधार से लिंक है या नहीं।

आयकर विभाग की वेबसाइट से चेंक करें स्टेटस

- सबसे पहले आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.incometa&indiaefiling.gov.in पर जाएं।
- यहां बाएं तरफ लिखे क्लिक लिंक विकल्प के लिंक आधार पर क्लिक करें।
- नए खुले पेज के ऊपर की तरफ हाइपरलिंक होगा, जहां पहले ही आधार लिंक के आवेदन की जानकारी होगी।
- इस हाइपरलिंक पर क्लिक कर आपको पैन व आधार की डिटेल भरनी होगी।
- इसके बाद व्यू लिंक आधार स्टेटस पर क्लिक करें। आपको पता चल जाएगा कि आपका आधार और पैन लिंक है या नहीं।

आधार कार्ड को पैन कार्ड से लिंक करने का तरीका

- अपने फोन में कैपिटल लेटर में आईडीपीएन टाइप करें, फिर स्पेस देकर आधार नंबर और पैन नंबर लिखें।
- इस मैसेज को 567678 या 56161 पर भेज दें।
- इसके बाद आयकर विभाग दोनों दस्तावेजों को लिंक करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा।
- आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर बाईं तरफ क्लिक लिंक विकल्प में लिंक आधार पर क्लिक करें।
- अगर आपका अकाउंट नहीं बना है तो पहले रजिस्ट्रेशन करें। यहां आपको पैन, आधार नंबर और नाम भरना होगा, जिसका ओटीपी संबंधित मोबाइल नंबर पर आएगा।
- ओटीपी भरने के बाद आपका आधार और पैन लिंक हो जाएगा।

शेयर बाजार: लाल निशान पर बंद हुआ सेंसेक्स, 14800 के नीचे पहुंचा निफ्टी

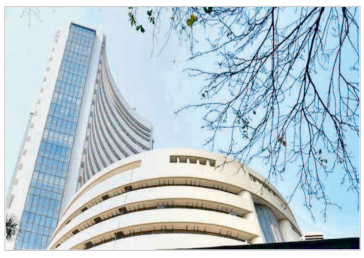

नई दिल्ली:

दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद आज सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 86.95 अंक यानी 0.17 फीसदी नीचे 49771.29 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 7.60 अंक यानी 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 14736.40 के स्तर पर बंद हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 933.84 अंक या 1.83 फीसदी टूट गया। शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते की शुरुआत गिरावट के साथ हुआ। **BSE** सेंसेक्स सोमवार को सुबह 282 अंकों की गिरावट के साथ 49,575.60 पर कारोबार कर रहा है। इंडेक्स में शामिल 30 में 21 शेयरों में गिरावट है। पावर ग्रिड का शेयर 1त्न से ज्यादा की गिरावट है। निफ्टी 65 अंक नीचे 14,678.45 पर कारोबार कर रहा है। **BSE** 20 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 49,878.77 पर और निफ्टी 7 अंक नीचे 14,736.30 पर खुला। **BSE** पर 1,748 शेयरों में कारोबार कर रहा है। 908 शेयरों में बढ़त और 738 में गिरावट है। लिस्टेड कंपनियों का टोटल मार्केट कैप 203.24 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो 19 मार्च को 203.44 लाख करोड़ रुपए रहा था।

जापान और हॉन्गकॉन्ग के बाजारों में गिरावट

जापान का निक्केई इंडेक्स 572 अंक यानी 1.92त्न नीचे 29,220 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग इंडेक्स में 81 अंक यानी 0.28त्न की गिरावट है, इंडेक्स 28,909 पर आ गया। जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट और कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी हल्की बढ़त है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया के ऑल ऑर्डनरीज में भी बढ़त है।

अमेरिकी बाजार में सपाट का कारोबार

US अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और महंगाई के चलते पिछले दिनों बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 19 मार्च को **S&P** 500 इंडेक्स 2.36 नीचे 3,913 पाइंट पर आ गया। इसी तरह डाओ जोंस भी 234 अंकों की गिरावट के साथ 32,628 पर बंद हुआ है। दूसरी ओर नैस्डैक इंडेक्स 0.76% चढ़कर 13,215 अंकों पर बंद हुआ था। इससे पहले यूरोपियन मार्केट में भारी बिकवाली रही। इसमें फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के शेयर बाजार शामिल हैं, जो 1-1% की गिराव के साथ बंद हुए।

रिलायंस समझौते में किशोर बियानी को कोर्ट से राहत, संपत्ति कुर्क करने के आदेश लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फ्यूचर ग्रुप के किशोर बियानी को राहत देते हुए संपत्ति कुर्की के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें फ्यूचर ग्रुप को मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रीटेल के साथ 24713 करोड़ रुपये की डील को आगे बढ़ने से रोका गया था। अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन ने इस सौदे पर आपत्ति जताई थी। चीफ जस्टिस डीएन पटेल और जस्टिस जसमीत सिंह की डिवीजन बेंच ने फ्यूचर ग्रुप की अपील पर ऐमजॉन को नोटिस जारी किया है। इससे पहले सिंगल बेंच ने फ्यूचर और रिलायंस के सौदे को रोक दिया था। फ्यूचर ने इसे चुनौती दी थी। मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी। सिंगल बेंच ने साथ ही फ्यूचर ग्रुप के किशोर बियानी और अन्य की संपत्ति कुर्क करने का भी आदेश दिया था। लेकिन डिवीजन बेंच ने इस पर भी रोक लगा दी। बेंच ने किशोर बियाणी और अन्य को 28 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। सिंगल बेंच ने ऐमजॉन की याचिका पर फ्यूचर और रिलायंस के सौदे पर रोक लगाई थी। सिंगापुर के एमरजेंसी आर्बिटेटर ने पिछले साल 25 अक्टूबर को फ्यूचर ग्रुप और रिलायंस को अपना सौदा आगे नहीं बढ़ाने को कहा था। इस आदेश को लागू करवाने के लिए ऐमजॉन ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मोदी के आह्वान पर लुलु समूह ने यूएई में 400 टन कश्मीरी सेब आयात किया

चेन्नई।

केरल के अरबपति व्यवसायी एम. यूसुफ अली के स्वामित्व वाले लुलु समूह ने कश्मीरी सेब का उत्पादन करने वाले किसानों को समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मध्य पूर्व में लगभग 400 टन कश्मीरी सेब का आयात किया है। समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक यूसुफ अली ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैंने हमेशा माना है कि सरकार की नीतियों को स्वीकार करना और कार्य करना सभी भारतीयों की प्रमुख जिम्मेदारी है। स्वाभाविक रूप से जबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई यात्रा के दौरान 2019 में कश्मीर राज्य के निवेश और समर्थन का विचार रखा था, मैं इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दिखाने वाला पहला व्यक्ति हूं और हमने पिछले वर्ष के दौरान 400 टन से अधिक कश्मीरी सेब का आयात किया है और यह जारी है, लेकिन यह कोविड संबंधित मुद्दों के कारण लक्ष्य से थोड़ा कम रहा है। व्यवसायी का समूह 30,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है और इनमें से अधिकांश भारतीय हैं। इन भारतीयों में से साठ प्रतिशत से अधिक केरल राज्य से हैं। केरल में भी उनके गृह जिले त्रिशूर से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला हुआ है। यूसुफ अली 1973 में मध्य पूर्व पहुंचे थे और तब से उन्होंने शीर्ष पर पहुंचने के लिए संघर्ष भी किया है। अब लुलु समूह के खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), मिस्र, भारत और अन्य जगहों पर विभिन्न आकारों वाले 198 से अधिक स्टोर हैं और यह प्रतिदिन 16 लाख से अधिक ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। यूसुफ अली ने कहा, मैंने इस प्रकार के विस्तार के बारे में कभी नहीं सोचा था। अब हमारा जीसीसी, भारत, अफ्रीका और सुदूर पूर्व में खुदरा परिचालन है और दुनियाभर के सभी प्रमुख शहरों में हमारे सोर्सिंग कार्यालय हैं। लुलु समूह और यूसुफ अली हमेशा ऐसे लोगों का समर्थन करने के लिए चर्चा में रहे हैं जो अदालती मामलों में फंस जाते हैं या संयुक्त अरब अमीरात में बेरोजगार हो जाते हैं और अक्सर उन्हें अनौपचारिक भारतीय दूत के रूप में संबोधित किया जाता है। इस बारे में पूछे जाने पर यूसुफ अली ने कहा, परोपकार का मेरी फिलॉस्फी पैगंबर मोहम्मद के शिक्षण पर आधारित है, जिसका कहना है कि यदि आपका पड़ोसी भूखा रहता है, तो आपको जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

एयरटेल की निदेशक समिति ने LMIL को 3.64 करोड़ शेयरों के तरजीही आवंटन को मंजूरी दी

नई दिल्ली:

भारती एयरटेल ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल की विशेष समिति ने 3.64 करोड़ शेयरों का तरजीही आधार पर वारबर्ग पिनकस से जुड़ी कंपनी को 600 रुपये प्रति शेयर के भाव पर आवंटित करने को मंजूरी दे दी। यह भारती टेलिमीडिया सौदे की दिशा में आंशिक भुगतान के तौर पर आवंटित किए जाएंगे।

हाल में किए गए सौदे के एक हिस्से के तौर पर भारती एयरटेल अपनी डीटीएच इकाई भारती टेलिमीडिया में वारबर्ग पिनकस की सहयोगी लॉयन मीडोउ इनवेस्टमेंट लिमिटेड से 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण 3,126 करोड़ रुपए में करेगी। एयरटेल ने नियामकीय सूचना में यह जानकारी देते हुए कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने भारती टेलिमीडिया में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए लॉयन मीडोउ को किए जाने वाले नकद भुगतान के अलावा यह आवंटन किया है। डीटीएच इकाई भारती टेलिमीडिया में वह 10 करोड़ 20 लाख 40 हजार शेयरों का अधिग्रहण करेगी जो कि कुल शेयरों का करीब 20 प्रतिशत है।

सतत विकास लक्ष्यों के तहत ट्रूपल ने प्रस्तावित किए 17 'राष्ट्रीय विकास लक्ष्य'

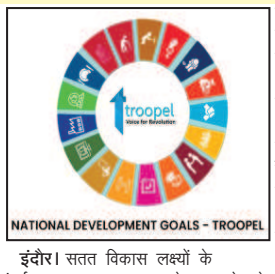

इंदौर। सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत 2030 तक भारत को एक खुशहाल, समृद्ध और विकसित देश के रूप में खुद को दुनिया के सामने स्थापित करना है। इसके लिए निर्धारित शून्य गरीबी, शून्य भुखमरी, लैंगिक समानता, सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार व उद्योगों को बढ़ावा जैसे कुल 17 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। हालांकि कोरोना काल में इन लक्ष्यों की पूर्ती वर्तमान में अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। जिसे ध्यान में रखते हुए पिछले लम्बे समय से #2030 का भारत विषय पर कार्य कर रहे ऑनलाइन व्यूज प्लेटफार्म, ट्रूपल डॉट कॉम (troopel.com) द्वारा निर्धारित विषयों के तहत 17 अति महत्वपूर्ण 'राष्ट्रीय विकास लक्ष्य' प्रस्तावित किये गए हैं। प्रस्तावित लक्ष्यों का मूल उद्देश्य देश के भीतर असामनता को जड़ से समाप्त कर, सबके लिए सुरक्षित व स्वस्थ समाज का निर्माण करना है।

चैनल के को-फाउंडर अतुल मलिकराम के मुताबिक, "संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य दुनियाभर के देशों के लिए हैं, जिसके जरिए हम एक सुदृढ़ और सुरक्षित विश्व की कल्पना कर रहे हैं। इन लक्ष्यों में एक लक्ष्य देशों के भीतर और बीच, असामनता को कम करना भी है। हमारा मानना है भारत के सम्पूर्ण विकास के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। हमें अपने बीच से, लोगों के दिलों से, हमारे समाज से असमानता को जड़ से मिटाना ही महत्वपूर्ण है।"

मौजूदा लक्ष्यों के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों में नीतिगत रूप से सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ती हेतु कार्य जारी है। वहीं वर्तमान समय के मद्देनजर ट्रूपल द्वारा जारी बिंदु निम्न प्रकार से हैं, च्डिजिटल शिक्षा को सभी के लिए अनिवार्य और सुगम बनाना, ट्रेनर मेड एजुकेशन सिस्टम को बढ़ावा देना, कास्ट सिस्टम पर पूर्णतयः रोक लगाना, किसी भी प्रकार के रिजर्वेशन को बैन करना, राजनेताओं के लिए शैक्षिक योग्यता को अनिवार्य करना, देश में केवल दो ही प्रमुख राजनीतिक पार्टियां हो, पूरे चुनावी प्रकिया को वर्चुअल बनाया जाए तथा प्रचार प्रसार पर होने वाले खर्चों पर लगाम लगाई जाए, प्रत्येक सरकारी विभाग व एनजीओ में प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी अनिवार्य हो, सीएसआर का फण्ड 2% से बढ़ाकर 5% किया जाए, प्राइवेट व सरकारी नौकरी में एक समान वेतन का प्रावधान हो, पूर्व सांसदों और विधायकों को मिलने वाली पेंशन पर तत्काल रोक लगाई जाए, पर्यावरण संरक्षण हेतु हर वर्ष एक हफ्ते का देशव्यापी लॉक डाउन लागू किया जाना चाहिए।

ईकेआई एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड का आइपीओ 24 मार्च को खुलेगा

ईकेआई एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम ("आईपीओ" या "ऑफर") लेकर आ रही है। यह आईपीओ बुधवार, 24 मार्च को खुलकर शुक्रवार, 26 मार्च 2021 को बंद होगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 100-102 रुपये प्रति शेयर रखा है। प्रत्येक शेयर (इक्विटी शेयर) का फेस वैल्यू (सम मूल्ये) 10 रुपये है। ईकेआई एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड जलवायु परिवर्तन से जुड़ी परामर्श सेवाओं, कार्बन क्रेडिट डिवेलपर्स एवं सप्लायर, बिजनेस एक्सिलेंस एडवाइजरी और इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑडिट्स के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी है जो सरकार और बिजली उत्पादन, अपशिष्ट प्रबंधन, क्लीन डिवेलपमेंट मैकेनिज्म, एयरपोर्ट्स जैसे निजी क्षेत्र के साथ अन्य सेक्टर्स को अपनी सेवाएं प्रदान करती है। 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18,24,000 इक्विटी शेयरों के आईपीओ का प्राइस बैंड 100-102 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है (इसमें 90-92 रुपये प्रति शेयर के प्रीमियम के साथ फ्लोर प्राइस पर 1824 लाख रुपये जबकि कैप प्राइस पर 1860.48 लाख, जिसमें 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले 96,000 शेयर प्रति शेयर 100-102 रुपये की कीमत पर, जिसकी कुल कीमत फ्लोर प्राइस पर 96 लाख रुपये जबकि कैप प्राइस पर 97.92 लाख रुपये होगी, शामिल है और यह मार्केट मेकर द्वारा सब्सक्रिप्शकन के लिए आरक्षित है। (मार्केट मेकर आरक्षण हिस्साह)।

मार्केट मेकर के लिए आरक्षित हिस्से को हटाकर नेट इश्यू 17,28,000 इक्विटी शेयरों (10 रुपये फेस वैल्यू प्रति शेयर) का होगा, जिसकी प्राइस बैंड 100-102 रुपये होगी और यह फ्लोर प्राइस पर 1728 लाख रुपये जबकि कैप प्राइस पर 1762.56 लाख रुपये के बराबर होगा, जिसे ' 'नेट इश्यू'' कहा जाएगा। इश्यू और नेट इश्यू में इश्यू के बाद कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी क्रमशः 26.53 फीसदी और 25.14 फीसदी होगी। इस इश्यू को सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स रेग्युलेशंस 2018 (सेबी (आइसीडीआर) रेग्लुयेशन) के चैप्टर ढ्ढ के तहत जारी किया गया है। इश्यू के जारी होने के बाद यह इश्यू कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के कम से कम 25 फीसदी के बराबर होगा।

यह बुक बिल्ड इश्यू है और जनता को नेट इश्यू से होने वाला आवंटन सेबी (आईसीडीआर) रेग्युलेशंस (संशोधित) के रेग्युलेशंस 253 के मुताबिक होगा। अन्य विस्तृत जानकारी के लिए रेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस की पृष्ठ संख्या 230 पर उल्लिखित ' 'इश्यू प्रक्रिया'' को देखें। सभी संभावित निवेशक 'ASBA' (एप्लिकेशन सपोर्टेड बाई ब्लॉक्ड अमाउंट) के जरिए इस ऑफर में भाग ले पाएंगे और उन्हें इस दौरान संबंधित बैंक खातों (यूपीआई आईडी) की जानकारी देनी होगी, जिसमें बोली की रकम को एससीएसबी (सेल्फ सर्टिफाइड सिंडीकेट बैंक) की तरफ से ब्लॉक किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए रेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस की पृष्ठ संख्या 230 पर 'इश्यू प्रक्रिया' को देखा जा सकता है। इस इश्यू से मिलने वाली सारी रकम कंपनी के पास आएगी क्योंकि यह फ्रेश इश्यू रकम है।

एशिया ओलम्पिक क्वालीफाइंग के लिए पांच महिला पहलवानों का चयन

लखनऊ । कजाकिस्तान में नौ से 18 अप्रैल तक होने वाले एशियन ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट और 2021 की सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के लिए सोमवार को यहां एसटीसी लखनऊ में पांच ओलंपिक वजन वर्गों के लिए चयन ट्रायल आयोजित हुए, जिसमें पांच पहलवानों का चयन किया गया। भारतीय कुश्ती महासंघ ने सोमवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी देते हुए बताया कि इस चयन ट्रायल से जिन पांच पहलवानों का चयन हुआ उनमें सीमा (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) का चयन किया गया। महासंघ ने साथ ही बताया कि एशियाई चैंपियनशिप के लिए शेष चार वजन वर्गों के लिए चयन ट्रायल 27 मार्च को आयोजित होगा।

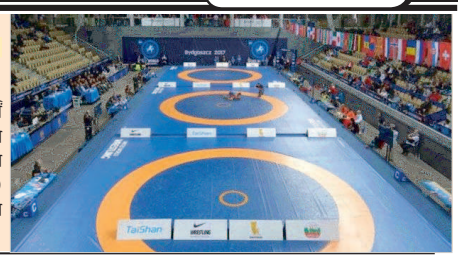

विश्व कप में भारत के युवा निशानेबाजों का धमाल, एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीम में स्वर्ण

नयी दिल्ली,

भारत की 'युवा ब्रिगेड' ने आईएसएसएफ विश्व कप में सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दस मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया । सोमवार को तीन स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही भारत के अब छह स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य पदक हो गए हैं । अमेरिका तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर है । सौरभ चौधरी और मनु भाकर की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पीला तमगा जीता । वहीं दिव्यांश सिंह पंवार और इलावेनिल वलारिवान ने 10 मीटर एयर राइफल में मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया । मनु और सौरभ ने फाइनल में ईरान के गोलनोश सेबहातोलाही और जावेद फोरोगी को 16-12 से हराया। दूसरी सीरीज के बाद 18 वर्षीय चौधरी और 19 वर्षीय भाकर 0-4 से पीछे चल रहे थे लेकिन उसने इसके बाद शानदार वापसी की। भारत का वर्तमान प्रतियोगिता में यह पांचवां स्वर्ण पदक है और वह शीर्ष पर बना हुआ है। यह इस जोड़ी का विश्व कप की मिश्रित टीम स्पर्धा में पांचवां स्वर्ण पदक है। ईरानी टीम ने अच्छी शुरुआत की लेकिन एक बार जब भारतीय शुरुआती अड़चनों से पार पाने में सफल रहे तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सोने का तमगा हासिल किया। भारत की यशस्विनी सिंह देसवाल और अभिषेक वर्मा ने तुर्की के सेवाल इलाइदा तारहान और इस्माइल केलेस को 17-13 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं भारतीय पुरूष स्कीट टीम ने स्वर्ण और महिलाओं ने रजत पदक जीता । खिताब की प्रबल दावेदार चौधरी और भाकर की भारतीय जोड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पहली सीरीज में 0-2 से पिछड़ गयी। ईरानी टीम ने दूसरी सीरीज के बाद अपना स्कोर दोगुना कर दिया। इसके बाद चौधरी और भाकर ने वापसी की लेकिन ईरानी टीम ने चार शॉट की बढ़त बनाये रखी। एक समय स्कोर 6-10 था लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार तीन सीरीज जीतकर स्कोर 12-10 कर दिया। एक बार बढ़त हासिल करने के बाद भाकर और चौधरी ने ईरानी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया और आखिर में चैंपियन बने। भारतीय जोड़ी क्वालीफाईंग में 384 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रही थी। कांस्य पदक के मुकाबले में देसवाल और वर्मा ने शुरू से दबदबा बनाये रखा और पहली चार सीरीज में 8-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद तुर्की की टीम ने अच्छी वापसी की और नौ सीरीज के बाद स्कोर 10-8 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने हालांकि हार नहीं मानी और आखिर में कांस्य पदक अपने नाम किया। सुबह दिव्यांश और इलावेनिल की भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में 16 अंक बनाये और हंगरी की विश्व में नंबर एक इस्तावान पेनी और इस्जतर डेनेस को पीछे छोड़ा। हंगरी की टीम 10 अंक ही बना पायी। भारत का इस प्रतियोगिता में यह चौथा स्वर्ण पदक है।

विराट कोहली करेंगे सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी, कप्तान के तौर पर तोड़ेंगे रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क ।

टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल सीरीज में फतह हासिल करने के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम का लक्ष्य इंग्लैंड को वनडे में धूल चटाना है। वहीं ये सीरीज भारतीय कप्तान विराट कोहली के लिए भी अहम रहने वाली है। यदि वह इस सीरीज के दौरान शतक लगा देते हैं तो वह महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी और रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। कोहली ने वनडे में आखिरी शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ अगस्त 2019 को लगाया था। कोहली के नाम वनडे में 43 शतक हैं जिसमें 19 होम ग्राउंड में लगाए हैं। यदि वह एक और शतक लगा देते हैं तो तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे जिन्होंने घर में 20 शतक लगाए हैं। वहीं वनडे में कप्तान के रूप में वह पूर्व ऑस्ट्रेलियई रिकी पोंटिंग को भी पीछे छोड़ देंगे। फिलहाल कोहली और पोंटिंग दोनों के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान के रूप में 41 शतक हैं। केवल एकदिवसीय मैचों की बात करें तो एक शतक उनके बीच इस विशेष प्रारूप में कप्तान के रूप में 22 शतकों के साथ संख्या बराबर हो जाएगी। गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कोहली जबरदस्त फार्म में नजर आए थे। उन्होंने 5 मैचों में 231 रन ठोके थे और तीन मैचों में जीत दिलाने में कोहली का बड़ा हाथ रहा है। उन्होंने सीरीज के दौरान नाबाद 80, नाबाद 77 और नाबाद 73 रन बनाए।

सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने में सक्षम रहे : सचिन

रायपुर. टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में खेलने वाली सभी छह टीमें सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने में सक्षम रही हैं। सचिन सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यहां शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल थे और वह इंडिया लेजेंड्स की कप्तानी कर रहे थे। उनकी टीम ने फाइनल में श्रीलंका लेजेंड्स को 14 रनों से हराकर यह ट्रॉफी जीती थी। सचिन ने कहा, यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण था और मुझे उम्मीद है कि इसमें शामिल सभी छह टीमें सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने में सक्षम रहीं। मैं उन सभी टीमों की सराहना करता हूं जिन्होंने यहां आकर इसके लिए जागरूकता फैलाने में हमारा साथ दिया। यह एक ऐसा संदेश है जिसे हमें पूरी दुनिया में फैलाना है। इससे जुड़कर सुखद महसूस किया।

जरूरी नहीं कि टी20 विश्व कप में भी रोहित और मैं पारी का आगाज करें : कोहली

पुणे ।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को कहा कि सूर्यकुमार यादव के जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह देने के लिए उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में पारी के आगाज करने का फैसला किया लेकिन इस बात की कोई 'गारंटी% नहीं है कि वह टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। कोहली का रोहित के साथ पारी का आगाज करने का फैसला सफल रहा था और पांचवें मैच में दोनों की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम टी20 श्रृंखला अपने नाम करने में सफल रही। कोहली ने कहा कि मैदान में किन खिलाड़ियों के संयोजन के साथ जाना है, इस पर चयनकर्ताओं की कोई भूमिका नहीं होती है। यह ठीक वैसे ही है जैसे टीम चयन में टीम प्रबंधन की कोई भूमिका नहीं होती। जैसा कि रोहित ने कहा था कि यह रणनीतिक फैसला था, लेकिन हां, हमें साथ में बल्लेबाजी करना पसंद है, हमें साझेदारी बनाना पसंद है। हमारे साथ में बल्लेबाजी का असर भी दिखा। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह भविष्य में भी जारी रहेगा। सूर्यकुमार ने अपने पदार्पण मैच में शानदार बल्लेबाजी से कोहली को 'आश्चर्यचकित' कर दिया था और पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में टीम में उनको बनाये रखने के लिए कप्तान ने पारी का आगाज करने का फैसला किया। भारत ने इस मैच में ने सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की जगह अतिरिक्त गेंदबाज टी नटराजन को मौका दिया। कोहली ने कहा कि मैंने चौथे नंबर, तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की है। मैं सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी भूमिका को समझने की कोशिश भी कर रहा हूं। टी20 क्रिकेट में मैं पहले भी इसे सफलतापूर्वक कर चुका हूं। इससे शानदार लय में चल रहे सूर्यकुमार जैसे खिलाड़ी को अपना नैसर्गिक खेल दिखाने का मौका मिलता है। अगर वह ऐसा खेलना जारी रखते है तो मैं टीम के लिए कोई भी भूमिका निभाने को तैयार हूं। हम विश्व कप के करीब पहुंच कर इस बारे में चर्चा करेंगे। सीनियर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने टी20 टीम से अपनी जगह गंवा दी, लेकिन कोहली ने स्पष्ट किया कि वह मंगलवार को पहले वनडे में रोहित के साथ पारी का आगाज करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह श्रृंखला टी20 विश्व कप के तैयारी के रूप में काम करेगी। हां, हमने कुछ बातों को लेकर टीम के अंदर चर्चा की है, हम उन चीजों पर नजर रखेंगे। कोहली ने कहा कि जहां तक वनडे में सलामी बल्लेबाजी का सवाल है, शिखर और रोहित निश्चित रूप से पारी शुरू करेंगे। जब एकदिवसीय क्रिकेट की बात आती है, तो मुझे नहीं लगता कि रोहित और शिखर के एक साथ खेलने पर कोई समस्या या संदेह है। वे पिछले कुछ वर्षों में हमारे लिए अद्भुत रहे हैं। भारतीय टीम ने एकदिवसीय श्रृंखला की टीम में सूर्यकुमार के अलावा कर्नाटक के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और कृणाल पंड्या को टीम में जगह दी है।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन : ओकुहारा ने जीता ऑल इंग्लैंड महिला एकल खिताब

बर्मिंघम. दूसरी सीड जापान की नोजोमी ओकुहारा ने फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को हराकर ऑल इंग्लैंड महिला वर्ग का खिताब जीत लिया है। नोजोमी ने 44 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में चोचुवोंग को 21-12, 21-16 से हराकर इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। नोजोमी इससे पहले 2016 में भी चैंपियन बन चुकी हैं। जीत के बाद नोजोमी ने कहा, ऑल इंग्लैंड की एक बार फिर चैंपियन बनकर काफी खुश महसूस कर रही हूं। मैं अन्य मुकाबलों की तरह ही फाइनल में भी खेलना चाहती थी और मैं अपने शॉट्स को अच्छे से खेलना चाहती थी जैसा मैंने किया। चोचुवोंग का ऑल इंग्लैंड में यह पहला फाइनल था और मुझे लगता है कि वह थोड़े दबाव में थीं। उन्होंने कहा, पांच वर्ष पहले मैंने यहां खिताब जीता था तो मुझे पर किसी तरह का दबाव नहीं था। इस बार में महिला एकल वर्ग में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में थीं जिससे स्थिति बदली। मेरा ओवरऑल प्रदर्शन उच्च स्तर पर रहा जिसकी मुझे खुशी है।

यूएई और ओमान के खिलाफ अनुभव से सीखने को मिलेगा : छेत्री

नई दिल्ली.

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का कहना है कि उन्हें उम्मीद है टीम को ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मुकाबलों के अनुभव से सीखने को मिलेगा। भारत एक साल से ज्यादा समय के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी करेगा। भारतीय टीम को यूएई और ओमान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले खेलने हैं। भारत का यूएई के साथ 25 मार्च और ओमान के साथ 29 मार्च को मुकाबला होना है। फीफा रैंकिंग के अनुसार यूएई 74वें और ओमान 81वें स्थान पर है जबकि भारत 104वें नंबर पर है। छेत्री ने एआईएफएफ डॉट कॉम से कहा, ÷एक साल तक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूर रहना दुखद है। लेकिन यह अजीब समय है और स्थिति हमारे हाथ में नहीं है, तो हमें इस बारे में शिकायत नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि भारतीय टीम इस महीने दो दोस्ताना मुकाबले खेलेगी। दुर्भाग्य से मैं इसका नहीं हिस्सा नहीं हूं। छेत्री कोरोना संक्रमित होने के कारण दुबई में जारी राष्ट्रीय शिविर के लिए 27 सदस्यीय दल का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि भारतीय टीम उच्च रैंकिंग की टीम के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। छेत्री ने कहा, ÷मैंने हमेशा से कहा है कि हमें एशिया में अच्छा करने की जरूरत है और यह तभी होगा जब हम शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलेंगे। ओमान और यूएई बिलकुल फिट बैठते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने संभावित प्रतिद्वंद्वी के बारे में सुना और मैं काफी उत्साहित हुआ। मैं उम्मीद करता हूं कि एक टीम के रूप में हम ज्यादातर मौकों को भुनाएंगे तथा सबसे महत्वपूर्ण इस अनुभव से सीख लेंगे।

बैडमिंटन : ली जी बने ऑल इंग्लैंड चैंपियन

बर्मिंघम.

मलेशिया के ली जी जिया ने फाइनल मुकाबले में गत विजेता डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन को हराकर ऑल इंग्लैंड बैडमिटन ओपन में पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया। ली जी ने एक घंटे 14 मिनट तक चले मुकाबले में एक्सेलसन को 30-29, 20-22, 21-19 से हराया। यह हाल के दिनों में सबसे बेहतर फाइनल मुकाबलों में से एक था जिसमें ली जी ने पहले गेम में एक्सेलसन को मात दी जबकि दूसरे गेम में ली जी पिछड़ गए। हालांकि तीसरे गेम को जीत ली जी विजेता बने। ली जी ने कहा, मैं खुश हूं, उत्साहित हूं तथा दुखी भी हूं। सभी चीज एक ही पल में सामने आ रही है इसलिए अपनी भावना को दर्शाना मेरे लिए कठिन है। तीसरे गेम तक हम दोनों ने ही शानदार खेल का प्रदर्शन किया। तीसरे गेम में एक्लेसन का ध्यान हटा और मुझे इसका लाभ मिल गया। उन्होंने कहा, पहला गेम जिसे मैंने 30-29 से जीता, काफी कठिन गेम था। दूसरे गेम में मैंने सिंगल अंक पर ध्यान केंद्रित किया। मैं ध्यान नहीं भटकाना चाहता था। इससे मेरे विपक्षी खिलाड़ी को फायदा मिलता। मैंने अपने आप से कहा था कि सभी अंक लेने पर ध्यान देना है।

रिलीज के साथ ही छा गया विजय परदेशी का नया गाना

सूरत भूमि, सूरत। भोजपुरी फिल्म-म्यूजिक इंडस्ट्री के विजय परदेशी अपनी एक्टिंग और सिंगिंग के लिए मशहूर हैं. विजय परदेशी का कोई भी नया गाना रिलीज होने के साथ ही सोशल मीडिया पर तहलका मचाना शुरू कर देता है. इन दिनों विजय परदेशीव का एक नया सॉन्ग रिलीज हुआ है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. ऐसे में होली के मौके पर पर विजय परदेशी की तरफ से अपने फैन्स के लिए एक और नया गाना आ रहा हैं। जिसका नाम होली में डाल के रहेंगें हैं। यह 23 मार्च को सुबह 6 बजे रीलीज़ हो रहा हैं।

ला लीगा : सुआरेज के 500वें गोल से जीती एटलेटिको मेड्रिड

मेड्रिड.

लुइस सुआरेज के 500वें गोल और जेन ओब्लाक द्वारा किए गए बेहतरीन सेव की मदद से एटलेटिको मेड्रिड ने अल्वेस को 1-0 से हराकर स्पेनिश लीग ला लीगा में टेबल में टॉप पर चार अंकों की अपनी बढ़त को कायम रखा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार रात खेले गए मुकाबले में दोनों टीमें पहले हाफ में गोलरहित रही। लेकिन दूसरे हाफ के शुरू होने के नौ मिनट बाद ही सुआरेज ने गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिला दी।अल्वेस को बराबरी करने का मौका भी मिला। लेकिन जेसुलो के पेनाल्टी पर ?लिए गए शॉट को ओब्लाक ने रोक दिया और एटलेटिको मेड्रिड को जीत दिला दी।

एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी टीम इंडिया

पुणे ।

टीम इंडिया यहां मंगलवार से मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुरु होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। टी20 में मिली शानदार जीत से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका भी उसे लाभ होगा। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय हैं। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ ही सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा लय में हैं। टीम 20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचने वाले सूर्यकुमार यादव से भी भारतीय टीम को इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड ने टी20 में जीत से शुरुआत की थी पर इसके बाद वह पिछड़ गयी। अब कप्तान इयॉन मॉर्गन अपनी टीम की कम गलतियों को ठीक कर दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे। इसलिए मेहमान टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार इस सीरीज को जीतना रहेगा। इन कमियों को दूर करके दौरे का सकारात्मक अंत करना चाहेगी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पर सभी की निगाहें रहेंगी क्योंकि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। खास तौर पर यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। टी20 में वह नाकाम रहे हैं, ऐसे में इस बार प्रदर्शन नहीं करने पर वह बाहर हो जाएंगे क्योंक सलामी बल्लेबाज के लिए भारत के पास शीर्ष क्रम में कई विकल्प मौजूद हैं। शुभमन गिल अभी टीम में हैं जबकि पृथ्वी शॉ और देवदत्त पडिक्कल भी लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश कर रहे हैं। इस सीरीज में पूरी संभावना है कि रोहित शर्मा के साथ धवन पारी की शुरुआत करेंगे। रोहित ने टी20 में शानदार प्रदर्शन किया था और वह अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। एकदिवसीय प्रारुप में धवन बेहतर प्रदर्शन कर फॉर्म में वापसी करना चाहेंगे। कप्तान विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छी पारियां खेली और एकदिवसीय में भी वह बड़ी पारियां खेलने का प्रयास करेंगे क्योंकि वह एक साल से अधिक समय से कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। वहीं लोकेश राहुल और ऋषभ पंत दोनों के अंतिम एकादश में जगह बनाने की संभावना है। राहुल को हालांकि शीर्ष क्रम में नहीं बल्कि मध्यक्रम में उतारा जाएगा। वह पिछले साल से मध्यक्रम में ही खेल रहे हैं। पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के साथ हार्दिक पंड्या के साथ निचले मध्यक्रम में अहम भूमिका निभानी होगी। ऐसी स्थिति में अंतिम एकादश में एक जगह के लिये मुंबई के श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। सूर्यकुमार ने टी20 सीरीज में अपने करारे शॉट से प्रभावित किया था, लेकिन अय्यर पिछले कुछ समय से मध्यक्रम में अच्छी भूमिका निभा रहे हैं।

स्टोक्स को छठे नंबर पर भेजना गलत : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर केविन पीटरसन ने कहा है कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर-6 पर भेजना सही नहीं है। पीटरसन ने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷ स्टोक्स को बल्लेबाज के तौर पर नंबर-6 पर भेजना और वैकल्पिक गेंदबाज के तौर पर उनका उपयोग करना उन्हें बेकार करने जैसा है। यह टीम के लिए भी नुकसानदेह है। वहीं बेयरस्टो टी20 ओपनर है , अगर वो पारी शुरु नहीं करते हैं तो स्टोक्स को नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाए।' स्टोक्स इंग्लैंड टीम के अहम खिलाड़ियों में से एक हैं। साल 2019 में जब इंग्लैंड ने पहली बार एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीता था तो उसमें स्टोक्स की सबसे अहम भूमिका रही थी। इसके अलावा उन्होंने एशेज सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। स्टोक्स को सीरीज के पांच में से केवल तीन मैचों में ही बल्लेबाजी का अवसर मिला। दूसरे टी20 में स्टोक्स छठे नंबर पर उतरे। इसमें इस बल्लेबाज ने 21 गेंद पर 24 रन बनाए। वे पारी के दौरान सिर्फ एक चौका लगा सके थे। वहीं चौथे टी20 में स्टोक्स को नंबर-5 पर बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने इसका लाभ उठाया। स्टोक्स ने 23 गेंद पर 46 रन बनाए। 4 चौके और 3 छक्के लगाये। वहीं अंतिम टी20 मैच में स्टोक्स को एक बार फिर 6 नंबर पर भेजा गया। तेज रन बनाने के चक्कर में वे 12 गेंद पर सिर्फ 14 रन बना सके। इस मैच में स्टोक्स का उपयोग पांचवें गेंदबाज के रूप में किया गया था।

सूरत के थाना परिसर में मानव कंकाल मिलने से मचा हड़कंप

अहमदाबाद ।

गुजरात में सूरत के खटोडरा पुलिस थाना परिसर में पुराने वाहनों का कबाड़ हटाते समय श्रमिकों को एक मानव कंकाल मिला है । इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया ।

दक्षिण गुजरात के सूरत में स्थित खटोडरा पुलिस थाना परिसर में रविवार दोपहर पुराने वाहनों का कबाड़ हटाया जा रहा था । श्रमिकों ने जब पुराने ऑटो व दुपहिया वाहनों को हटाया तो उनके नीचे एक मानव कंकाल पड़ा मिला । यह किसी मानव शरीर का कंकाल है, लेकिन केवल खोपड़ी तथा कमर से नीचे के भाग का ही कंकाल यहां पड़ा मिला । शरीर का धड़ भाग इस कंकाल के साथ नहीं मिला । कंकाल करीब चार साल पुराना माना जा रहा है । इसकी वजह से इसका पोस्टमार्टम नहीं कराया जा सकता है । पुलिस थाने में पुराने कंकाल की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी पुलिस थाने पहुंचे । उन्होंने इस कंकाल की एफएसएल रिपोर्ट कराने की बात कही, ताकि कंकाल किसका है और पुलिस थाने पर कैसे पहुंचा इसकी तहकीकात की जा सके ।

गौरतलब है कि गुजरात में एकाकी जीवन बिता रहे बुजुर्ग दंपती की सुरक्षा का पुलिस विशेष ख्याल रखेगी । साथ ही, उनके रोजमर्रा के कामकाज में भी मदद करेगी । उनके यहां आने वालों की जानकारी एकत्र करने के साथ पुलिस बुजुर्गों को इरादापूर्वक अकेले छोड़े जाने वाले बेटे व पोतों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में भी मदद करेगी । गुजरात में अकेले रहने वाले बुजुर्ग दंपत्तियों के साथ आए दिन होने वाली आपराधिक वारदातों को देखते हुए पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने एक परिपत्र जारी कर सभी पुलिस थानों को अकेले जीवन बिता रहे बुजुर्ग दंपत्तियों की सूची तैयार करने को कहा है ।

भाटिया ने कहा कि ऐसे लोग अपराधियों के निशाने पर होते हैं, पुलिस १५ अप्रैल तक ऐसे करीब ४२५०० वरिष्ठ नागरिकों की सूची तैयार करेगी । उनके यहां आने वाले ड्राइवर, माली, दूधवाले, राशन डिलीवर ब्वॉय, हॉकर, कामवाली आदि के बारे में भी पुलिस नाम, पते व उनकी पहचान पत्र का डेटा तैयार करेगी । महानिदेशक ने पुलिस थानों को निर्देश दिया है कि गश्त के दौरान वे ऐसे वरिष्ठ नागरिकों से नियमित रूप से मिलकर उनकी समस्या या जरूरत के बारे में पता करके उसे सुलझाने का प्रयास करें । पुलिस ऐसे नागरिकों की सुरक्षा के साथ उनके घर का राशन, बिजली व अन्य बिल जमा कराने, गैस सिलेंडर भराने जैसे काम भी करेगी ।

गुजरात के अस्पतालों में ७० फीसदी से ज्यादा बेड खाली

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना के बढ़ते आतंक पर काबू पाने लिए राज्य सरकार ने वैक्सीनेशन पर जोर दिया है । इस बीच उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने राज्य में कोरोना टीकाकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है । नितिन पटेल ने कहा कि कोरोना पर काबू पाने के लिए अब रविवार को भी टीकाकरण किया गया है । इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अस्पतालों में ७० फीसदी से ज्यादा बेड खाली हैं ।

नितिन पटेल ने कहा कि कल २.०७ लाख लोगों को टीका लगाया गया था । गुजरात में हर दिन २ लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया जा रहा है । कल रविवार को छुट्टी वाले दिन भी वैक्सीनेशन के काम को जारी रखा गया । कोरोना पर काबू पाने के लिए सभी लोगों के लिए तेजी से टीकाकरण की व्यवस्था की गई है । सभी अस्पतालों में पर्याप्त बेड हैं । अस्पतालों में आज भी ७०% से अधिक बेड खाली हैं ।

इसलिए लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है । इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि कोरोना वैक्सीन की पर्याप्त मात्रा राज्य सरकार के पास है । स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिन-रात लोगों की सेवा कर रहे हैं । वर्तमान में विधानसभा सत्र को छोटा करने पर कोई विचार नहीं किया गया है । स्थानीय निकाय चुनाव और क्रिकेट मैच की वजह से अहमदाबाद सहित पूरे गुजरात में कोरोना चिंताजनक स्थिति में पहुंच चुकी है । अहमदाबाद और सूरत में दैनिक मामलों की संख्या में हर दिन वृद्धि दर्ज की जा रही है । गुजरात स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक राज्य में बीते २४ घंटों में १५८० नए मामले दर्ज किए गए हैं । वहीं इस दौरान कुल सात लोगों की मौत दर्ज की गई ।

गुजरात स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में आज १५८० नए मामले दर्ज हुए जबकि एक दिन में ९८९ लोग कोरोना को मात देने में कामयाब हुए । जिसके बाद अब तक राज्य में २,७५,२३८ लोग कोरोना से जारी जिंदगी की जंग को जीतने में कामयाब हुए हैं । जिसके बाद राज्य की रिकवरी रेट ९५.९० प्रतिशत हो गई है ।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पाटिल ने परिवार से की मुलाकात

गुजरात के जेतलसर की रहने वाली १६ वर्षीय सृष्टि रैयाणी की हत्या का मामला चर्चा का विषय बना है

राजकोट ।

गुजरात के जेतलसर की रहने वाली १६ वर्षीय सृष्टि रैयाणी की हत्या का मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है । इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने आज रैयाणी परिवार से मुलाकात की । सीआर पाटिल ने जेतलसर पहुंचकर सृष्टि रैयाणी के परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी । इस मौके पर पाटिल ने कहा कि सरकार दोषियों को कड़ी सजा देने के लिए प्रतिबद्ध है । गुजरात बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने इस मौके पर कहा, ''हमारे कैबिनेट मंत्री जयेश रादडिया रैयाणी परिवार के लगातार संपर्क में हैं । मामले में शामिल आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । नाबालिग के पिता ने न्याय की मांग की है । जो दोषी हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी । ताकि कोई दोबारा ऐसा अपराध करने की हिम्मत न करे । मुख्यमंत्री सहित प्रशासन मामले में इंसाफ के लिए लगातार कोशिश कर रहा है ।

जेतलसर की रहने वाली सृष्टि रैयाणी नामक युवती से एकतरफा प्रेम प्रसंग में पागल प्रेमी जयेश सरवैया ने उसके घर में घुसकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर मौके से फरार हो गया था । घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने हंगामा किया और पुलिस को सूचना दी । जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी जयेश की तलाश जारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया । गुजरात के जेतलसर की रहने वाली १६ वर्षीय सृष्टि रैयाणी की हत्या का मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है । मामला सामने आने के बाद कल राज्य मंत्री जयेश रादडिया युवती के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए उसके घर पहुंचे थे । इस दौरान उनके साथ राजकोट के जिला पुलिस अधिकारी बलराम मीणा, जेतपुर के डीवायएसपी सागर बागमार सहित पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे ।

कार्यालय के बाहर जिम संचालक और फिटनेस ट्रेनरों की कसरत

सूरत ।

गुजरात के हर जिले में घातक कोरोना वायरस ने हाहाकार मचा रखा है । सूरत में सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति देखी जा रही है । कोरोना के दैनिक मामले सूरत में हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं । कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सूरत निगम ने सिटी बसों, थिएटर और जिम को बंद करने का आदेश जारी किया है । नगर निगम के इस फैसले से जिम संचालक और फिटनेस ट्रेनर में नाराजगी का माहौल दिखाई दे रहा है । आक्रोशित जिम संचालक और प्रशिक्षकों ने आज सूरत नगर निगम कार्यालय के बाहर जमा हुए और कसरत कर इस फैसले का विरोध किया ।

इस सिलसिले में जानकारी देते हुए जिम संचालक ने कहा कि हम अपने जिम में कोविद के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं । जिम से अभी तक कोरोना का एक भी सकारात्मक मामला सामने नहीं आया है । बावजूद इसके नगर निगम ने जिम को बंद करने का फैसला किया है । नगर निगम के इस निर्णय से प्रशिक्षकों को अपना घर चलाने और प्रबंधकों को जिम का किराया चुकाने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है । जिम प्रशासक और प्रशिक्षकों ने पहले भी जिम को बंद करने के निर्णय के संबंध में आवेदन पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई थी । प्रशासकों ने जिम को बंद करने के फैसले का विरोध किया था । लेकिन कोई नतीजा नहीं निकलने पर आज जिम ट्रेनर और जिम प्रशासक नगर निगम कार्यालय के बाहर जमा हुए । इस मौके पर सार्वजनिक रूप से लोगों ने कसरत कर इस फैसले का विरोध किया । प्रदर्शनकारी जिम प्रशासकों का कहना है कि कोरोना महामारी की चैन तोड़ने के लिए महीनों तक देशव्यापी तालाबंदी की गई थी । जिसके बाद अनलॉक की प्रक्रिया शुरू की गई थी ।

इस दौरान जिम को खोलने की अनुमति नहीं दी गई । अभी कुछ दिन पहले ही जिम को कोविद दिशानिर्देशों के नियमों के साथ खोलने की अनुमति नहीं थी । हालांकि नए मामलो में एक बार फिर से दर्ज की जाने वाली वृद्धि के बाद जिम को बंद रखने का फैसला किया गया है ।

ट्रेन के टॉयलेट में स्पाई कैमरा लगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद ।

भारतीय रेलवे की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा करने वाले एक मामले का पर्दाफाश अहमदाबाद रेलवे पुलिस ने किया है । दरअसल पुलिस ने एक हाउसकीपर को गिरफ्तार किया है जो ट्रेन के टॉयलेट में स्पाई कैमरा लगाकर यात्रा करने वाली महिलाओं की गंदी वीडियो बनाता था । अहमदाबाद रेलवे पुलिस ने १६ मार्च को रेलवे टॉयलेट में स्पाई कैमरा लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है । यह घटना १६ मार्च को मुंबई से राजस्थान के जोधपुर के पास भगत की कोठी जाने वाली ट्रेन में सामने आई है । वायु सेना में काम करने वाले एक जवान को टॉयलेट में जाने पर कुछ गड़बड़ होने का शक हुआ । शक की बुनियाद पर उनसे जांच की तो उसे डस्टबिन के निचले हिस्से में एक पावरबैंक मिला । इसकी जानकारी उन्होंने फौरन रेलवे पुलिस को दी ।

पुलिस की जांच में पता चला कि पॉवरबैंक में स्पाई कैमरा लगा है । इस मामले में अहमदाबाद रेलवे पुलिस ने ट्रेन के एक हाउसकीपर सुपरवाइजर को गिरफ्तार किया है । मिल रही जानकारी के अनुसार रेवले पुलिस ने जिस आरोपी को गिरफ्तार किया है उसका नाम जहीउद्दीन शेख है । आरोपी ने पावरबैंक से जुड़े एक स्पाई कैमरे को ट्रेन के टॉयलेट में रखा था । यात्रियों को इसका शक ना हो इसलिए आरोपी ने उसके तार को कूड़ेदान के अंदर छिपा दिया था । संदेह व्यक्तकिया जा रहा है कि आरोपी जासूसी कैमरा से महिलाओं के वीडियो को कैप्चर कर रहा था । आरोपी जहीउद्दीन मुंबई में रहता है और ट्रेन में हाउसकीपर के रूप में काम करता है । पुलिस जांच कर रही है कि उसने अन्य ट्रेनों में ऐसे कैमरे लगाए थे या नहीं । पुलिस को शक है कि उसने ऐसा कैमरा अन्य ट्रेनों में भी लगाया हो ।

गुजरात विश्वविद्यालय की महिला पॉलिटेक्निक में कोरोना विस्फोट

अहमदाबाद ।

स्थानीय निकाय चुनावों के बाद गुजरात में कोरोना के दैनिक मामलों में अचानक वृद्धि दर्ज की जा रही है । हर दिन नए मामलों में दर्ज की जाने वाली रिकॉर्डतोड़ वृद्धि के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है । जनवरी और फरवरी के शुरू में कोरोना के नए मामलों में दर्ज की जाने वाली कमी के बाद शिक्षा विभाग ने स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से शुरू करने का फैसला किया था । लेकिन गुजरात में एक बार फिर कोरोना वायरस के बढते मामलों पर काबू पाने के लिए ८ नगर निगम में १० अप्रैल तक स्कूल-कॉलेज बंद रखने का निर्देश दिया गया है । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि गुजरात विश्वविद्यालय की महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में काम करने वाले ११ लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है । पिछले ३ दिनों में ११ कर्मचारियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद संबंधित कर्मचारियों ने प्रिंसिपल को 'वर्क फ्रॉम होन' की मांग की है । महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रशासकों ने मामले की जानकारी शिक्षा विभाग को दी है । प्रिंसिपल ने कहा है कि शिक्षा विभाग की ओर से जैसा जवाब मिलेगा उसी तरीके से काम किया जाएगा । कॉलेज में कोरोना का मामला सामने आने के बाद सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट करवाया जा रहा है । गौरतलब है कि बीते दिनों स्कूल शुरू होने के बाद राज्य के कई जिलों में मौजूद स्कूलों में कोरोना विस्फोट की खबर सामने आई थी । जिसमें कुछ छात्र और शिक्षक कोरोना से संक्रमित हो गए थे । नतीजतन राज्य के शिक्षा मंत्री ने अब स्कूलों से कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए कोविड-१९ के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया था । इतना ही नहीं अगर छात्रों और शिक्षकों की रिपोर्ट सकारात्मक है तो उनके इलाज की व्यवस्था की गई थी । अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, वडोदरा, जामनगर, भावनगर गांधीनगर सहित आठ नगर निगमों में स्कूल और कॉलेज १० अप्रैल तक बंद रहेंगे । लेकिन ऑनलाइन शिक्षा और परीक्षा पहले के मुताबिक जारी रहेगी । १० अप्रैल तक ऑनलाइन शिक्षा जारी रखने का निर्देश दिया गया है । इतना ही नहीं विश्वविद्यालय का छात्रावास जारी रहेगा और छात्रों को अपने छात्रावास के कमरे में शिक्षा लेनी होगी ।

सरकार ने २२ अधिकारियों को दी विशेष जिम्मेदारी

अहमदाबाद ।

एक साल पूरा होने के बाद गुजरात में कोरोना का आतंक के एक बार फिर दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । कोरोना के दैनिक मामले हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं । दैनिक मामलों में हर दिन दर्ज की जा रही वृद्धि के बाद राज्य सरकार की परेशानियां बढ़ गई है । कोरोना के बढ़ते मामलों पर काबू पाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं । इतना ही नहीं अब जानकारी सामने आ रही है कि कोरोना के खिलाफ जारी जंग को जीतने के लिए राज्य सरकार ने सभी जिलों में आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति की है । मिल रही जानकारी के अनुसार अहमदाबाद में बढ़ते कोरोना के कहर पर काबू पाने के लिए डॉ. राजीव कुमार गुप्ता को नियुक्त किया गया है ।

वह गुजरात सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव भी हैं । इसी तरह वडोदरा और छोटा उदयपुर जिला की जिम्मेदारी डॉ.विनोद राव, राजकोट की डॉ। राहुल गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है । इसके अलावा गांधीनगर में सुनियना तोमर, अमरेली में एएम सोलंकी, भरूच में शाहमीन हुसैन, जूनागढ़ में मनीष भारद्वाज, भावनगर में सोनल मिश्रा, पाटन में ममता वर्मा, पंचमहल में राकेश मंजू, मोडासा-अरावली में रूपवंत सिंह, बोटाद संजीव कुमार, पोरबंदर और गीर-सोमनाथ में डीजी पटेल जामनगर में एनबी उपाध्याय नर्मदा में एसजी हैदर, मेहसाणा में धनंजय त्रिवेदी, सूरत में एम । थेन्नारसन, खेड़ा में मोहम्मद शाहिद, बनासकांठा में विजय नेहरा, आणंद में अवंतिका सिंह और दाहोद में राजकुमार बेनीवाल को जिम्मेदारी दी गई है । इन नियुक्त अधिकारियों को कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के उपायों के सुपर विजन और टीकाकरण कार्यों की समीक्षा के लिए नगर निगम और उन्हें सौंपे गए जिले का दौरा करना होगा ।

वर्ष 2014 से जैन सोशल ग्रुप नक्षत्र का शपथ ग्रहण समारोह रविवार 14-03-21 को आयोजित किया गया था

सूरत भूमि, सूरत।

श्री मितुरभाई चोकसी को समूह के अध्यक्ष के रूप में, श्रीमती नेबेन गांधी को संगिनीफोरम के अध्यक्ष और श्री हेनिलभाई कनिया को युवा मंच के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया । नारी शक्ति से प्रेरित होकर, सूरत की मेयर श्रीमती हेमलिबेन बोगावाला ने भाग लिया और नई समिति को आशीर्वाद दिया ।

जैन सोशल ग्रुप के इंटरनेशनल फेडरेशन के शपथ ग्रहण श्री मनीषभाई शाह (पी.आर.ओ. एडमिन) ने समूह अध्यक्षों को शपथ दिलाई ।

इस कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में श्री मयूरभाई शाह (अध्यक्ष चुनाव, गुजरात रेज) ने भाग लिया ।

समूह के अध्यक्ष श्री मितुरभाई चोकसी ने स्वागत भाषण दिया और सदस्यों को वर्ष भर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम के अंत में सचिव श्री प्रणवभाई बंगड़ीवाला ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यक्रम का समापन किया ।

अंबाजी में छोटे पकड़े पहन कर आने वाले नहीं कर पाएंगे दर्शन

अंबाजी मंदिर में भारतीय संस्कृति की गरिमा को स्थापित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है

पालनपुर ।

शामलाजी मंदिर में छोटे कपड़े पहनकर आने वाले भक्तों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के बाद, अब गुजरात के एक और मंदिर में भी ऐसा ही नियम लागू किया गया है । शामलाजी मंदिर ट्रस्ट के बाद अब अंबाजी मंदिर ट्रस्ट ने भी फैसला किया है कि पश्चिमी रूप के छोटे कपड़े पहनकर मंदिर में आने वाले भक्तों को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी । इस मामले को लेकर मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक नोटिस बोर्ड लगाया गया है । इस संबंध में अंबाजी मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि मंदिर में भारतीय संस्कृति की गरिमा को स्थापित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है । देश के विभिन्न राज्यों से भक्त बरमूडा, स्कर्ट जैसे छोटे पोशाक पहनकर अंबाजी मंदिर में आते हैं । जिसकी वजह से मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले अन्य लोगों को शर्मनाक स्थिति में पड़ जाते हैं । इसलिए ऐसे लोगों को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी । हालाँकि, ट्रस्ट का कहना है कि नियम पुराना है, लेकिन बोर्ड खराब होने की वजह से नया बोर्ड मंदिर के बाहर लगाया गया है । उल्लेखनीय है कि अभी कुछ दिन पहले गुजरात के शामलाजी मंदिर में भी छोटे कपड़े पहनकर आने वाले लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी । मंदिर ट्रस्ट की ओर से कहा गया था कि छोटे कपड़े पहनकर आने वाले लोगों को मंदिर की ओर से दी जाने वाली धोती पहनने के बाद ही मंदिर में एंट्री दी जाएगी । उल्लेखनीय है कि अंबाजी मंदिर शक्तिपीठों में से एक है । इस मंदिर के गर्भगृह में माताजी की कोई मूर्ति नहीं है ।

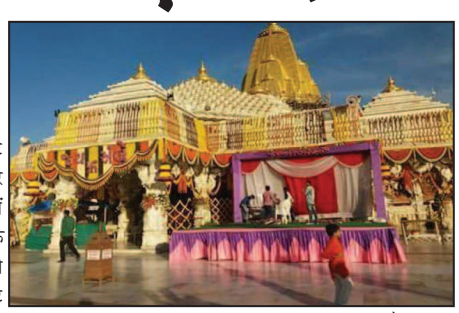

इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां भगवान कृष्ण का मुंडन संस्कार किया गया था । भगवान राम के बारे में कहा जाता है कि वे माँ शक्ति की शरण में यहां आए थे । अंबाजी का मंदिर गुजरात-राजस्थान सीमा पर स्थित है । कहा जा रहा है कि यह मंदिर लगभग १२०० साल पुराना है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)